राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शनीवार,१३मार्च २०२१ वर्ष-४, अंक -४९ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देशभर में बिना रुके फर्राटा भर सकेंगी टूरिस्ट बसें, एक अप्रैल से लागू होगी नेशनल परमिट व्यवस्था

नई दिल्ली। दो दशक लंबे अंतराल के बाद टूरिस्ट बसों के देशभर में निर्बाध फर्राटा भरने का रास्ता साफ हो गया है। केंद्र सरकार एक अप्रैल से ट्रकों की तरह टूरिस्ट-लग्जरी बसों के लिए भी नेशनल परमिट (एनपी) व्यवस्था लागू करने जा रही है। इससे तीर्थ यात्रियों और पर्यटकों को ले जाने वाली बसों को राज्यों की सीमा पर टैक्स अदायगी के लिए खड़ा नहीं होना पड़ेगा। एनपी व्यवस्था से टूरिस्ट बसों का किराया सस्ता होगा और सुविधाएं भी बढ़ेंगी। सूत्रों के मुताबिक सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय एक-दो दिनों में इस बाबत अधिसूचना जारी कर सकता है। हालांकि, हितधारकों से सुझाव-आपत्ति के लिए ड्राफ्ट नोटिफिकेशन पहले जारी किया जा चुका है। इस विषय से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि नई व्यवस्था में एसी और गैर-एसी टूरिस्ट बसों को आठ साल के बजाय 12 वर्ष के लिए नेशनल परमिट दिया जाएगा। इस परमिट को ऑल इंडिया टूरिस्ट व्हीकल रूल्स 2021 के नाम से जाना जाएगा। एनपी व्यवस्था से परिवहन व्यवसाय से जुड़े टूर ऑपरेटरों के लिए बस संचालन किफायती होगा। तीर्थ यात्रियों को इसका फायदा टूरिस्ट बसों में सस्ते किराये और सुविधाओं के रूप में मिल सकेगा। देश के एक कोने से दूसरे कोने में जाने पर तमाम राज्यों में टैक्स देने के लिए बसों का सीमा पर ठहराव बंद होगा। इससे समय बचेगा। सेंट्रल मोटर व्हीकल रूल्स कमेटी के चेयरमैन गुरमीत सिंह ने कहा कि सरकार की एक राष्ट्र-एक परमिट नीति (नेशनल परमिट) पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देगी। वहीं, टूर ऑपरेटरों को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के चक्कर लगाने से छुटकारा मिलेगा। नई नेशनल परमिट व्यवस्था से आरटीओ में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। मौजूदा समय में टूरिस्ट बसों के परमिट के लिए आरटीओ के चक्कर लगाने पड़ते थे।

एंटीलिया संदिग्ध कार केस :

तिहाड़ से साजिश की आशंका, आतंकियों की सेल से मिला मोबाइल फोन

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल से मिली जानकारी के आधार पर तिहाड़ जेल अधिकारियों ने छापा मारकर एक जेल से मोबाइल फोन जब्त किया है। इस जेल में कुछ आतंकवादी बंद हैं। स्पेशल सेल को शक है कि इस फोन का इस्तेमाल हाल ही में इस्तेमाल किए गए टेलीग्राम चैनलों के संचालन के लिए किया गया था, जो कि आतंकी वारदातों और धमकी के लिए जिम्मेदारी का दावा करने के लिए इस्तेमाल किया गया था।

स्पेशल सेल ने कहा कि मोबाइल फोन और जब्त किए गए सामान का ब्योरा तिहाड़ जेल अधिकारियों से प्राप्त होने के बाद आगे की जांच और फॉरेंसिक एनालिसिस किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, देश के प्रमुख उद्योगपति मुकेश अंबानी के मुंबई स्थित घर के बाहर एक एसयूवी गाड़ी में विस्फोटक और एक धमकी भरा पत्र मिलने के तार दिल्ली की तिहाड़ जेल से जुड़ने के बाद दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की एक टीम इस मामले की जांच के लिए गुरुवार को तिहाड़ जेल पहुंची थी। स्पेशल सेल के अधिकारियों ने तिहाड़ जेल के डीजी संदीप गोयल से मुलाकात कर इस मामले में कुछ जानकारी हासिल की थी।

गौरतलब है कि गत फरवरी माह के अंत में उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के बाहर एक वाहन में जिलेटिन छड़ें और एक कथित आतंकी संगठन का धमकी भरा पत्र मुंबई पुलिस को मिला था। इस संबंध में आतंकी संगठन जैश-उल-हिंद ने इसकी जिम्मेदारी ली थी। छानबीन के दौरान पता चला कि इस मामले का संबंध एशिया की सबसे बड़ी तिहाड़ जेल से जुड़ा है। इसे लेकर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल भी अपने स्तर पर जांच कर रही है। गुरुवार को स्पेशल सेल की एक टीम तिहाड़ पहुंची थी।

- *स्पेशल सेल ने कहा कि मोबाइल फोन और जब्त किए गए सामान का ब्योरा तिहाड़ जेल अधिकारियों से प्राप्त होने के बाद आगे की जांच और फॉरेंसिक एनालिसिस किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, देश के प्रमुख उद्योगपति मुकेश अंबानी के मुंबई स्थित घर के बाहर एक एसयूवी गाड़ी में विस्फोटक और एक धमकी भरा पत्र मिलने के तार दिल्ली की तिहाड़ जेल से जुड़ने के बाद दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की एक टीम इस मामले की जांच के लिए गुरुवार को तिहाड़ जेल पहुंची थी।*

जल संकट की ओर बढ़ा बिहार, नदी किनारे के 11 जिलों का भूजल स्तर गिरा

मुजफ्फरपुर। इसे कहते हैं पानी में रहकर प्यासे रहना। बिहार में नदियों के किनारे बसे पटना, नालंदा व भागलपुर सहित 11 जिले जलसंकट वाले क्षेत्रों की श्रेणी में आ गए हैं। पीएचईडी ने जलस्तर पर राज्यभर में जो सर्वे कराया है, उसकी रिपोर्ट चिंताजनक है। बताया जा रहा है कि पटना सहित राज्य के आठ जिलों में जलस्तर पिछले साल की तुलना में काफी नीचे आया है। 11 जिले वाटर स्ट्रेस्ड की श्रेणी में आ गये हैं। कुछ अन्य जिलों में भी स्थिति चिंताजनक है। हालांकि गंडक बेल्ट के जिले कुछ हद तक ठीक स्थिति में हैं। पीएचईडी विभाग के सचिव जितेंद्र श्रीवास्तव ने सूबे के सभी जिलों की पंचायतवार वाटर लेबल पर सर्वे रिपोर्ट जारी की है। इसमें बताया है कि कई जिलों में जलस्तर इतना नीचे आया है कि गर्मी में भीषण जलसंकट की समस्या खड़ी हो सकती है। विभाग ने अपने सर्वे रिपोर्ट में बताया है कि 15 फरवरी तक कराये गए सर्वे के मुताबिक राज्य के अरवल, भभुआ, भागलपुर, बांका, समस्तीपुर, पटना, भोजपुर व बक्सर में जलस्तर पिछले साल की तुलना कहीं अधिक गिरा है। इन जिलों में जलसंकट वाली पंचायतों की पहचान व अग्रिम कार्रवाई जरूरी है। इसके लिए विभाग ने अधिकारियों को साधारण चापाकल को इंडिया मार्का चापाकल में बदलने व जहां इंडिया मार्का चापाकल लगे हैं, उनके पाइप बढ़ाने के निर्देश दिये हैं। सचिव ने कहा है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, जो इन जिलों में भीषण संकट की स्थिति पैदा हो सकती है।

सबसे खतरनाक स्थिति में तीन जिले की 17 पंचायतें-विभाग ने बताया है कि सूबे की 498 पंचायत जलस्तर के मामले में संवेदनशील स्थिति में हैं। विभाग ने इसके लिए सभी पंचायतों को पांच श्रेणी में बांटा है। श्रेणी ए में वो पंचायतें हैं, जिनका जलस्तर 50 फीट व उससे नीचे है। बी श्रेणी में वो पंचायतें हैं, जिनका जलस्तर 40 से 50 फीट के बीच है, सी श्रेणी में वो पंचायतें हैं, जिनका जलसतर 30 से 40 के बीच है, डी श्रेणी में 20 से 30 फीट व ई श्रेणी में जलस्तर 20 फीट तक है।

दिल्ली में बदला मौसम का मिजाज, बारिश के बाद चली ठंडी हवाएं, राजस्थान, यूपी- हरियाणा में अलर्ट

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर से मौसम बदल गया है। आज सुबह घने अंधेरे के साथ-साथ बिजली की गर्ज भी दर्ज की गई। कई इलाकों में बादल गरजने के साथ हल्की बारिश दर्ज की गई। बारिश के बाद ठंडी हवाएं शुरू हो गई है। बता दें कि इससे दो दिन पहले भी दिल्ली में आंधी-तूफान और गरज के साथ हल्की बारिश दर्ज की गई थी, जिसके बाद मौसम में काफी बदलाव देखने को मिला था। अचानक से बदले मौसम के चलते आज सुबह दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में अंधेरा छा गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (ढ्रस्ष्ठ) ने आज दिल्ली में गरज के साथ ओले पड़ने का पूर्वानुमान लगाया है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने खतौली, बरौत, बागपत, शिकारपुर, गुरुमुखेश्वर, सियाना, बुलंदशहर, जहांगीराबाद, खुर्जा, लोनी-देहात, शामली, खेकरा, अलीगढ़, अमरोहा, दादरी, इंदिरापुरम, गलौटी, जट्टारी, खैर के लिए अगले 2 घंटे में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

कई राज्यों के लिए जारी हुआ अलर्ट

रिपोर्ट की माने तो उत्तर भारत के कई

राज्यों में अगले दो- तीन दिनों तक हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की ओर से बताया गया है कि उत्तर भारत के पर्वतों पर इस हफ्ते दो से तीन पश्चिमी विक्षोभ आएंगे। जिसके चलते यूपी बिहार, मध्य प्रदेश और दूसरे राज्यों में हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। पश्चिमी विक्षोभ भारत के मौसम को लगातार प्रभावित कर रहा है। रिपोर्ट की माने तो आज पूरी दिल्ली में हल्की बारिश बारिश होगी। इसके साथ ही कैथल, मेहम, रोहतक, गन्नौर, गोहाना, सोनीपत, खरखौदा, पानीपत, करनाल, के आसपास क्षेत्रों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

पहाड़ों पर बर्फबारी

वहीं देश के उत्तरी हिस्से के आसपास उत्पन्न होने वाली इस मौसमी बदलाव से पहाड़ों पर बर्फबारी हो रही है। साथ ही कुछ मैदानी इलाकों में बारिश भी हो रही है। इस बीच मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि पाकिस्तान और उसके आसपास पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है। साथ ही दो अन्य पश्चिमी विक्षोभ भी उत्पन्न हो रहे हैं। ये पश्चिमी विक्षोभ भारत के मौसम को प्रभावित कर रहे हैं।

दोस्त चीन को पाकिस्तान ने दिया झटका

टिकटॉक को अश्लील बताकर फिर लगाया प्रतिबंध

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की मीडिया नियामक एजेंसी ने चीनी वीडियो सेवा ऐप टिकटॉक को एक बार फिर से ब्लॉक कर दिया। इससे पहले दो वकीलों ने अदालत का रुख कर दावा किया था कि इस ऐप के जरिए अश्लील सामग्री फैलाई जा रही है। करीब छह महीने पहले भी पाकिस्तानी नियामक एजेंसी ने टिकटॉक को प्रतिबंधित कर दिया था, क्योंकि उसे शिकायतें मिली थी कि सोशल मीडिया ऐप पर कथित अनैतिक व अश्लील सामग्री है। एजेंसी ने संक्षिप्त बयान में कहा कि उसने पेशावर उच्च न्यायालय के आदेश की तामील करते हुए टिकटॉक को प्रतिबंधित किया है। इसके अलावा एजेंसी ने कोई और ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया। पेशावर उच्च न्यायालय ने कहा कि उसने वकील नाजिश मुजफ्फर और सारा अली की याचिका पर कार्रवाई की है। उन्होंने अपनी याचिका में गुजारिश की थी कि वीडियो साझा करने वाले ऐप को तब तक ब्लॉक रखा जाए जबतक वह पिछले साल पाकिस्तानी मीडिया निमायक द्वारा दिए गए निर्देशों और दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करता।

तो महिला ने खुद को किया घायल? घूसा जड़ने वाले Zomato के डिलीवरी बॉय ने किया यह बड़ा दावा

बेंगलुरु। जोमैटो के एक डिलीवरी बॉय द्वारा बेंगलुरु में महिला को घूंसा जड़ने के मामले में एक ससनीखेज दावा सामने आया है। जोमैटो के जिस डिलीवरी बॉय पर बेंगलुरु की एक महिला ने हमला करने का आरोप लगाया है, उसका कहना है कि महिला खुद की गलती से अपनी अंगूठी से चेहरे को घायल कर बैठी थी। जबकि महिला ने आरोप लगाया था कि ऑर्डर कैंसल करने से भड़के डिलीवरी बॉय ने उसके चेहरे पर घूंसा जड़ा था, जिससे वह घायल हो गई थी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ। बेंगलुरु में इलेक्ट्रॉनिक पुलिस स्टेशन में हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए डिलीवरी बॉय कामराज ने कहा, 'जैसे ही मैं डिलीवरी

करने उनके घर पहुंचा, मैंने उन्हें बताया कि मैं ट्रैफिक में फंस गया था, क्योंकि मुझे एक और ऑर्डर देना था। मैंने देरी के लिए माफी मांगी। महिला बहुत असभ्य (रूड) थी। उन्होंने कहा कि वह कोई बहाना नहीं सुनना चाहती, क्योंकि मैंने समय पर खाना नहीं डिलीवर किया। उसके बाद उन्होंने मुझसे खाना ले लिया और यह कहते हुए पैसे देने से इनकार कर दिया कि उसे बताए गए समय के भीतर आना चाहिए था।' डिलीवरी बॉय ने महिला से कहा कि खाने के लिए उसे 198 रुपए चुकाने होंगे। कामराज ने बताया, ÷मैंने उनसे कहा कि मैं उनका गुलाम नहीं हूं और उन्हें मेरे साथ सम्मान के साथ व्यवहार करना चाहिए। वह मुझ पर चिल्लाने लगी और कहने लगी तुम क्या कर लोगो? दरअसल, बुधवार को बेंगलुरु की हितेश चंद्रानी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि जोमाटो डिलीवरी बॉय ने डिलीवरी में देरी के तर्क के बाद उसके साथ मारपीट की। उसने यह भी दावा किया कि कामराज जबरन उनके घर में घुस गया। उनके साथ दुर्व्यवहार किया और उनके चेहरे पर मुक्के मारे। बुधवार को हितेश चंद्रानी ने कहा, वह मुझ पर चिल्लाते हुए कहने लगा कि क्या मैं गुलाम हूं? आप मुझे यहां रुकने के लिए कह रही हैं। यह मेरे लिए वास्तव में डराने वाला था। मैंने अपना दरवाजा बंद करने की कोशिश की, लेकिन उसने दरवाजे को धक्का दिया, मेरे घर में घुसकर मेज से मेरा ऑर्डर किया खाना लिया, मुझे मेरे चेहरे पर मुक्का मारा और भाग गया। हालांकि, कामराज ने दावा किया कि जब वह खाना देने गया था, महिला उस वक्त ज़ोमैटो कस्टमर केयर से बात कर रही थी और उसने ऑर्डर रद्द कर दिया। ऑर्डर कैंसल होने के बाद से मुझे वापस खाना ले जाने के लिए कहा गया।

फिर लॉकडाउन से होगा जीना मुहाल?

दिल्ली से महाराष्ट्र तक कोरोना से बुरा हाल, जानें कहां-कैसे हैं हालात

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की नई लहर से दिल्ली से महाराष्ट्र तक का बुरा हाल होता दिख रहा है। एक बार फिर से महाराष्ट्र कोरोना की रडार पर है और यहां मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। दिल्ली में भी कोरोना की रफ्तार तेज होती जा रही है। दिल्ली में जहां एक दिन में 400 से अधिक कोरोना के केस सामने आए, वहीं महाराष्ट्र में यह आंकड़ा 14 हजार पार कर गया। नागपुर में कोरोना लॉकडाउन का ऐलान कर दिया गया है, मगर जिस तरह से मामले बढ़ रहे हैं, ऐसी आशंका जताई जा रही है कि ऐसे प्रतिबंध अन्य कई जगहों पर लग सकते हैं।

दरअसल, महाराष्ट्र में गुरुवार को कोरोना वायरस के 14,317 मरीज मिले, जो इस साल एक दिन में सबसे ज्यादा हैं। इसके बाद कुल मामले 22,66,374 पहुंच गए हैं। इतना ही नहीं, 57 संक्रमितों के दम तोड़ने के बाद राज्य में मृतकों की संख्या 52,667 पहुंच गई है। बीते साल सात अक्टूबर को एक दिन में 14,578 नए मामले रिपोर्ट हुए थे जिसके बाद से दैनिक मामलों में गिरावट दर्ज होने लगी थी। 14 फरवरी से महाराष्ट्र में कोरोना के लगातार मामले बढ़ रहे हैं।

यही वजह है कि अब महाराष्ट्र में भी लॉकडाउन का खतरा मंडराने लगा है। महाराष्ट्र की स्थिति कितनी भयावह होती जा रही है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि नागपुर में एक सप्ताह (15 से 21 मार्च) का लॉकडाउ लगाया गया है। इतना ही नहीं, ठाणे में भी करीब 16 हॉटस्पॉट में 31 मार्च तक लॉकडाउन लगा दिया गया है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी संकेत दिए हैं कि अगर कोरोना की रफ्तार ऐसी ही बेकाबू रही तो फिर अन्य जगहों पर भी लॉकडाउन लगाए जा सकते हैं। हालांकि, नागपुर के बाद, पुणे, मुंबई और ठाणे जैसे इलाके रडार पर होंगे।

वहीं दिल्ली की बात करें तो यहां दिन-प्रतिदिन संक्रमितों के बढ़ने का सिलसिला लगातार जारी है। गुरुवार को दिल्ली में कोरोना के 400 से अधिक नए मरीज मिलने के बाद यहां संक्रमितों का कुल आंकड़ा 6.42 लाख के पार पहुंच गया है। इसके साथ ही पॉजिटिविटी दर भी बढ़कर 0.59 फीसदी पर आ गई है। दिल्ली में बढ़ते मामलों के बीच कंटेनमेंट जोन की संख्या भी फिर से बढ़कर 600 के पास पहुंच गई है। दिल्ली में गुरुवार को 409 नए लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई। यह राजधानी में लगभग दो महीने बाद एक दिन में सबसे अधिक लोगों के कोरोना संक्रमित होने का आंकड़ा है। इससे पहले 8 जनवरी को दिल्ली में 444 मामले आए थे।

दिल्ली का कोरोना ग्राफ-नए मामलों के बाद राजधानी में एक्टिव केस की संख्या भी बढ़कर दो हजार से अधिक हो गई है। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, गुरुवार को कुल 2020 एक्टिव केस हो गए हैं। गुरुवार को कोरोना मुक्त होने के बाद 286 मरीजों को छुट्टी दी गई, जबकि तीन मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना के ?कुल मरीज 6,42,439 हो गए हैं। इनमें से 6,29,485 मरीज कोरोना से ठीक हो चुके हैं। वहीं, अब तक 10,934 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया है।

महाराष्ट्र का कोरोना ग्राफ

राज्य में संक्रमण का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या एक लाख के पार चली गई है। राज्य में 1,06,070 लोग संक्रमण का उपचार करा रहे हैं। पिछले साल छह नवंबर को राज्य में संक्रमण के इलाजरत मरीजों की संख्या 1,02,099 थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

फिर लॉकडाउन

यह बड़ी चिंता का विषय है, देश के लगभग मध्य भाग में स्थित नागपुर में फिर लॉकडाउन की नौबत आ गई है, पर उससे भी बड़ी चिंता यह कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने राज्य के अन्य शहरों में भी लॉकडाउन की आशंका जताई है। हालांकि, उनका यह कहना उम्मीद जगाता है कि अभी कोरोना संक्रमण से स्थिति बेकाबू नहीं हुई है। फिर भी लॉकडाउन की वापसी सोचने पर विवश कर रही है। महाराष्ट्र में जलगांव में जनता कर्फ्यू की स्थिति है और अब नागपुर में 15 मार्च से 21 मार्च तक लॉकडाउन हमें सावधान करने के लिए पर्याप्त होना चाहिए। नागपुर में केवल आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी। पिछले महीने ही नागपुर के सभी स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थान बंद कर दिए गए थे। बाजार को शनिवार और रविवार को खोलने की अनुमति थी, पर अब पूरी तरह बंदी का एलान कर दिया गया है। ध्यान रहे, इस राज्य में पहले ही सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक आयोजनों में भीड़ पर रोक है। एक समय पूरे देश में प्रतिदिन कोरोना संक्रमण के कुल दस हजार मामले भी नहीं आ रहे थे, लेकिन अब अकेले महाराष्ट्र में ही 12,000 से ज्यादा मामले आने लगे हैं। अकेले महाराष्ट्र में एक लाख से अधिक सक्रिय मामले हैं। केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र सरकार से उचित ही कहा है कि वह वायरस को हल्के में न ले। स्वास्थ्य मंत्रालय की दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में नीति आयोग के सदस्य डॉक्टर वी के पॉल ने कहा है कि महाराष्ट्र में कोरोना मामले का बढ़ना काफी गंभीर है। इससे दो सबक मिलते हैं, वायरस को हल्के में नहीं लेना है और अगर हमें कोरोना से छुटकारा पाना है, तो फिर कोविड-19 से बचाव के दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। इसमें कोई शक नहीं कि कोरोना के प्रति लोग पहले की तुलना में लापरवाह हुए हैं। हमारी आबादी का एक बड़ा हिस्सा अब मास्क की जरूरत भी महसूस नहीं कर रहा है। टीकाकरण को ही अगर देखें, तो उद्धव ठाकरे देर से टीका लेने वाले मुख्यमंत्रियों में शुमार हैं। महाराष्ट्र में मुंबई में बुधवार को 1,539 मामले, पुणे शहर में 1,384, नागपुर शहर में 1,513, नासिक में 750, यवतमाल जिला 403 और औरंगाबाद में 560 दर्ज किए गए हैं। इन तमाम शहरों में सरकार को लॉकडाउन की जरूरत महसूस होने लगी है। बेशक, कोरोना के खिलाफ युद्ध समाप्त नहीं हुआ है। पर उन छह राज्यों में विशेष कड़ाई की जरूरत है, जहां कोरोना के ज्यादातर मामले दर्ज हो रहे हैं। सभी को मिलकर इसमें अपनी भूमिका का निर्वाह करना है। केरल में मामले आधे हुए हैं, तो महाराष्ट्र में दोगुने से भी अधिक हो गए हैं। विकसित राज्य आखिर देश के सामने कैसी मिसाल पेश कर रहे हैं? ऐसे राज्य, जिन्हें अपनी संपन्नता पर गर्व है, उनके लिए कोरोना परीक्षा बनकर आया है। लोगों को नए सिरे से सावधान होना पड़ेगा। लॉकडाउन की प्रशंसा कोई नहीं करेगा, लेकिन यह देखना भी जरूरी है कि लॉकडाउन की नौबत के लिए कौन जिम्मेदार है? वह सरकार जो बार-बार दिशा-निर्देश जारी करती है या वे लोग, जो एक कान से सुन दूसरे से निकाल देते हैं? टीकाकरण जारी है, तो इसका अर्थ यह नहीं कि हम निडर घूमने लगें। विशेषज्ञों ने भी बता दिया है कि टीकाकरण की अभी जो गति है, हम 2024 में ही सामुदायिक रोग प्रतिरोधक क्षमता हासिल कर सकेंगे। तब तक सतर्कता ही प्राथमिकता है।

आज के ट्वीट

शुभकामनाएं

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 हजार रन बनाकर इतिहास रचने वाली भारत की पहली महिला क्रिकेटर मिताली राज को हार्दिक शुभकामनाएं।

-- विवेक बिन्द्रा

रेसलिंग में स्वर्णिम इतिहास रचती विनेश

- योगेश कुमार गोयल

महिलाओं के 53 किलोग्राम भार वर्ग में टोक्यो ओलम्पिक का पहले ही टिकट हासिल कर चुकी भारत की 26 वर्षीया स्टार पहलवान विनेश फोगाट खेल प्रेमियों की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए एकबार फिर दुनिया की नंबर एक महिला पहलवान बन गई हैं। यह रैंकिंग हासिल कर उन्होंने ओलम्पिक में भारत के पदक जीतने की संभावनाएं मजबूत कर दी हैं। एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता तथा विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता रह चुकी विनेश टोक्यो ओलम्पिक के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय महिला पहलवान हैं। विनेश ने 7 मार्च को माटियो पैलिकोन रैंकिंग कुश्ती सिरीज में लगातार दूसरे सप्ताह स्वर्ण पदक जीतते हुए अपने भार वर्ग में एकबार फिर नंबर वन रैंकिंग हासिल की है। उससे एक सप्ताह पहले ही उन्होंने कीव में भी स्वर्ण पदक जीता था। कोरोना महामारी के बुरे दौर से गुजरने के बाद विनेश नवम्बर 2020 से यूरोप में ट्रेनिंग कर रही थी और महामारी व लॉकडाउन के कारण खेल से दूर रहने के बाद वह करीब एक साल बाद रिंग में उतरी थी। 2020 में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 'खेल रत्न' अवॉर्ड मिलने से महज एक दिन पहले वह कोरोना संक्रमित पाई गई थी लेकिन अपने बुलंद हौसलों के चलते उन्होंने न केवल कोरोना को हराया बल्कि अपने भार वर्ग में फिर से दुनिया की शीर्ष महिला पहलवान बन गई हैं। विनेश ने प्रतियोगिता में विश्व की नंबर तीन पहलवान के रूप में प्रवेश किया था और 14 अंक हासिल कर वह फिर से नंबर एक बनी। उन्होंने टूर्नामेंट में एक भी अंक नहीं गंवाया और तीन में से अपने दो मुकाबलों में प्रतिद्वंद्वी को चित्त किया। महिला कुश्ती में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित विनेश ने 18वें एशियाई खेलों की कुश्ती प्रतियोगिता के 50 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर कीर्तिमान स्थापित किया था और वह लगातार दो एशियाई खेलों में पदक जीतने वाली पहली महिला पहलवान भी बनी थी। भिवानी (हरियाणा) की यह पहलवान राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के अलावा विश्व चैम्पियनशिप में भी पदक जीत चुकी है। 18 सितम्बर 2019 को विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर विनेश टोक्यो ओलम्पिक के लिए अपना टिकट पक्का करने में सफल हुई थी। उन्होंने 53 किलोग्राम भार वर्ग में विश्व चैम्पियनशिप के रेपचेज कांस्य पदक मुकाबले में दो बार की विश्व कांस्य पदक विजेता मिस्र की मारिया प्रेवोलार्की को 4-1 से हराकर कांस्य पदक जीता था। हालांकि उससे पहले उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तीन दर्जन से ज्यादा पदक जीते थे लेकिन किसी भी विश्व चैम्पियनशिप में वह उनका पहला पदक था। 2016 के रियो ओलम्पिक के दौरान चोटिल हो जाने के बाद विनेश ने वर्ष 2018 में रेसलिंग में शानदार वापसी करते हुए दो बड़े मुकाबलों में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का बहुत मान-सम्मान बढ़ाया था और तब से वह महिला रेसलिंग में लगातार स्वर्णिम इतिहास रच रही हैं। विनेश ने पहली बार वर्ष 2013 की एशियन रेसलिंग चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया था और 51 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया था। 2018 में पैर दर्द की समस्या के बावजूद एशियाई खेलों में 50 किलो फ्रीस्टाइल कुश्ती वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने स्वर्णिम इतिहास रचा था और एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान भी बनी थी। अगस्त 2018 में एशियाई खेलों के फाइनल मुकाबले के दिन विनेश पैर में दर्द की समस्या से जूझ रही थी, फिर भी उन्होंने जापान की इरी युकी को 6-2 से मात देते हुए गोल्ड पर कब्जा किया था और एशियाई खेलों में लगातार दो बार पदक जीतने वाली पहली महिला पहलवान बनी थी। 2014 के एशियाई खेलों में विनेश ने कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों में भी स्वर्ण जीतने वाली विनेश पहली भारतीय पहलवान हैं। वह 2014 और 2018 के राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण तथा 2017 व 2018 की एशियन चैम्पियनशिप में रजत जीत चुकी है। 2014 के ग्लासगो राष्ट्रमंडल में स्वर्ण जीतकर विनेश ने पूरी दुनिया को अपनी काबिलियत का परिचय दिया था। अगस्त 2016 में रियो ओलम्पिक के दौरान भी उनसे देश को काफी उम्मीदें थी किन्तु स्पर्धा के दौरान गंभीर चोट लगने के कारण वह ओलम्पिक से बाहर हो गई थी और उनके भविष्य पर ही प्रश्नचिन्ह लग गया था। चोटिल होने के कारण वह एक साल से भी ज्यादा समय तक अखाड़े से दूर रही लेकिन अखाड़े से लंबी अवधि की दूरी के बाद जब उन्होंने मैदान में वापसी की तो एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर ही दम लिया। 2018 के एशियाई खेलों में विनेश के लिए सबसे सुखद अहसास यही रहा कि चीन की जिस पहलवान सुन यानान की वजह से उन्हें ओलम्पिक में चोट लगी थी, उसी पहलवान को शुरुआती मुकाबले में ही 8-2 से धूल चटाकर विनेश ने शानदार जीत हासिल की और फाइनल मुकाबले में जापान की युकी इरी को 6-2 से मात देकर गोल्ड अपने नाम कर रेसलिंग में भारत की सनसनी गर्ल बन गई। 25 अगस्त 1994 को हरियाणा के चरखीदादरी जिले के बलाली गांव में जन्मी विनेश ने 10 वर्ष की अल्पायु में ही अपने पिता राजपाल को खो दिया था, जिनकी एक जमीन विवाद में हत्या कर दी गई थी। पिता के देहांत के बाद उनका परिवार बहुत सीमित संसाधनों में जीवन-यापन करने को मजबूर था। उस दौरान वरिष्ठ ओलम्पिक कोच अपने ताऊ महावीर फोगाट की बेटियों गीता और बबीता को देखकर विनेश को भी अखाड़े में जोर आजमाइश की प्रेरणा मिली। उनके ताऊ महावीर फोगाट ने ही उन्हें भी पहलवानी के गुर सिखाए। बहरहाल, विनेश पिछले काफी समय से कहती रही हैं कि उनका अगला लक्ष्य ओलम्पिक में पदक जीतना है और अब दुनिया की शीर्ष महिला पहलवान बनने के बाद ओलम्पिक में भी उनसे उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि विनेश ने जिस प्रकार हालिया मुकाबलों में स्वर्ण पदक जीते हैं, ओलम्पिक में भी उनका वैसा ही बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिलेगा और वह भारत को ओलम्पिक विजेता बनाने में सफल होंगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

सामाजिकता

श्रीराम शर्मा आचार्य/ सामान्य दृष्टि से विचार करने पर सामाजिकता का अर्थ समाज के हितों का ध्यान रखना ही प्रतीत होता है, लेकिन सामाजिकता का अर्थ इतना मात्र नहीं है। समाज हित के लिए एकाकी प्रयास भी किए जा सकते हैं। प्राचीन ऋषि-महर्षि सारा जीवन घने जंगलों में बिता देते थे और समाज का स्तर किस प्रकार ऊंचा उठे, इसके लिए विचार करते और योजनाएं बनाया करते थे। समाज को ऊंचा उठाने के लिए अपना जीवन ही होम कर देने के आदर्श स्तुत्य हैं, किन्तु ककहरा से आरंभ करने वाले साधक के लिए अचानक उस स्थिति की कल्पना करना अव्यावहारिक होगा। इसका अर्थ समाज के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वालों का गौरव घटाना नहीं है। कहा इतना भर जा सकता है कि हमें आरंभ सामाजिक बनने से करना चाहिए। स्वयं कार्यकुशल और सक्षम होने के बावजूद कितने ही व्यक्ति औरों से तालमेल न बिठा पाने के कारण अपनी प्रतिभा का लाभ समाज को नहीं दे पाते। समाज में रहकर अन्य लोगों से तालमेल बिठाने तथा अपनी क्षमता-योग्यता का लाभ समाज को देने की स्थिति भी सामाजिकता से ही प्राप्त हो सकती है। बहुधा यह भी होता है कि कई व्यक्ति अकेले तो कोई जिम्मेदारी आसानी से निभा लेते हैं, किन्तु उनके साथ कुछ व्यक्तियों को और जोड़ दिया जाए तथा कोई बड़ा काम सौंप दिया जाए तो वे जिम्मेदारी से कतराने लगते हैं। बहुधा ही नहीं, प्राय- ऐसा होता है। कुछ व्यक्तियों को यदि किसी कार्य की जिम्मेदारी सौंप दी जाए, तो हर व्यक्ति यह सोचकर अपने दायित्व से बचने होने की सोचने लगता है कि दूसरे लोग इसे पूरा कर लेंगे। सामूहिक उत्तरदायित्वों के प्रति अवहेलना या उपेक्षा का भाव मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी है। इसका दुष्प्रभाव व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन, दोनों पर पड़ता है। समाज के हितों का ध्यान रखना, समाज में रहते हुए अन्य लोगों से तालमेल बिठाना तथा सामूहिक उत्तरदायित्वों को अनुभव कर उन्हें पूरा करने के लिए तत्पर रहना अपने व्यक्तित्व को सामाजिक बनाने की दिशा में अग्रसर करना ही है। जीवन उत्कर्ष के सभी इच्छुकों, प्रयासियों को सामाजिक गुणों के विकास की आवश्यकता और महत्ता ध्यान में रखनी चाहिए तथा उन गुणों को अर्पित करते चलना चाहिए।

भारत केन्द्रित है नई शिक्षा नीति

- डॉ. रामकिशोर उपाध्याय

नई शिक्षा नीति को लेकर चारों ओर उत्साह का वातारण है। इन दिनों देशभर में नई शिक्षा नीति को लेकर संगोष्ठियाँ, परिचर्चाएँ, सेमिनार एवं कार्यशालाएँ आयोजित की जा रही हैं। अभी हाल ही में जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में एक क्षेत्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया। इसमें विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के अखिल भारतीय सह-संगठन मंत्री के.एन. रघुनन्दन जी ने नई शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में शिक्षक-शिक्षा-चुनौतियाँ एवं समाधान विषय पर जो उद्बोधन दिया उसे सार रूप में यों समझा जा सकता है। नई शिक्षा नीति 2020, भारत केन्द्रित शिक्षा नीति है। भारतीय संस्कृति, इतिहास और नैतिकता इसकी पृष्ठभूमि में है। यह नए युग की शिक्षा का नवसूत्र है। यह लचीली, संवेदनशील एवं न्याय सम्मत है। यह वंचित और संपन्न, शासकीय और प्राइवेट सभी के लिए एक समान है। इसमे गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा को महत्व दिया गया है। करीकुलर, को-करीकुलर एवं एक्स्ट्रा करिकुलर गतिविधियों को समायोजित कर पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाए जाने की बात कही गई है। मल्टीडिसिप्लिनरी पाठ्यक्रम बनाये जाने पर ध्यान दिया गया है। साइंस वाला विद्यार्थी कॉमर्स भी पढ़ सकता है और चाहे तो अन्य कला संगीत भी अपनी रुचि के अनुसार ले सकता है। इसके लिए शिक्षकों का योग्य होना भी आवश्यक है। इस शिक्षा से शिक्षित विद्यार्थी मल्टीडिसिप्लिनरी व्यक्तित्व का धनी होगा। बंगलुरु के सुभाष गोपीनाथन ने सोलह वर्ष की आयु में अमेरिका में सॉफ्टवेयर कंपनी बनाई और सफल उद्यमी बन गए। हमारे देश में तो कम उम्र के बच्चों द्वारा कारोबार आरंभ करना भी मुश्किल है। एकबार गोपीनाथन भारत आए तो उनसे भारत के बारे में प्रश्न पूछे गए, तब उन्होंने कहा कि अपने देश में जिस से भी मिलो वह पहले यही पूछता है कि आपकी शिक्षा क्या है? कोई यह नहीं पूछता कि आपकी उपलब्धि क्या है। अपने देश में स्किल से अधिक महत्व डिग्री का है इसीलिये अनपढ़ों में बेरोजगारी का प्रतिशत कम है जबकि डिग्रीधारियों में बेरोजगरी अधिक है। डिग्रीधारियों में योग्यता की कमी है। अधिकांश ऐसे हैं जो प्रतियोगी परीक्षा पास नहीं कर पाते। हमारे कॉलेजों में शिक्षित विद्यार्थियों में अधिकांश टीईटी परीक्षा भी पास नहीं कर पाते क्यों? यह देखना होगा कि हमारे महाविद्यालयों की शिक्षा की गुणवत्ता इतनी ख़राब क्यों हुई कि विद्यार्थी शिक्षक बनने की पात्रता परीक्षा भी पास नहीं कर पाते। योग्य शिक्षक जबतक नहीं आएँगे तबतक योग्य विद्यार्थी कैसे निकलेंगे। नेशनल काउन्सिल ऑफ टीचर्स एड्युकेशन, लघु (हृष्टअश्व) का काम है, आदर्श शिक्षक का निर्माण। जब विद्यालय चलाने में शिक्षक की भागीदारी होगी, जब पढ़ाने वाला शिक्षक यह सोचेगा कि मुझे भी अपने विद्यालय का विकास करना चाहिए तथा विद्यार्थी यह सोचें कि विद्यालय के विकास में उनकी क्या भूमिका होनी चाहिए तब शिक्षा व्यवस्था में सुधार होगा। वर्मा कमेटी की रिपोर्ट बताती है कि लगभग दस हजार शैक्षणिक संस्थान बंद करने लायक हैं। शैक्षणिक संस्थान का उद्देश्य केवल डिग्री बाँटना नहीं है। ज्ञान केवल डिग्रियों में नहीं है इसीलिये कई पद्मश्री और पद्म विभूषण ऐसे लोगों को मिले जिनके पास कोई विशेष डिग्री नहीं थी किन्तु वे अपने-अपने क्षेत्र में श्रेष्ठ हैं। हमारे विश्वविद्यालयों ने कितने महान कलाकार, महान खिलाड़ी या महान संगीतज्ञ पैदा किये इस बात के मूल्यांकन की आवश्यकता है। प्रत्येक विश्वविद्यालय अपने आसपास की समस्याओं को चिन्हित करे फिर उनके समाधान के लिए शोध करे। समस्या के समाधान के लिए शोध हो तभी उसका महत्व है। आप जितना शोध और नवाचार को महत्व देंगे उतना ही विकास होगा। चाहे किसी भी विषय का छात्र हो उसका विचार भारत केन्द्रित होना चाहिए। हमारे देश में गरीबी के कारण घर बनाना एक समस्या है तो हमारे आर्किटेक्ट का उद्देश्य होना चाहए कि कम मूल्य में घर कैसे बनाया जाए। जब हम भारत केन्द्रित शिक्षा की बात करते हैं तो पहले हमें भारत को समझना होगा। भारत को समझने के लिए भारतीय दर्शन को समझना होगा। अँगरेजों के आने से पूर्व भारतीय व्यवस्था को अंगरेजों के बाद की व्यवस्था को समझना होगा। अँगरेजों के आने से पूर्व हमारे यहाँ स्त्रियाँ भी पढ़ाती थीं अब इन बातों के प्रमाण भी हमारे पास हैं। इतिहासकार धर्मपाल जी ने इस दिशा में बड़ा महत्वपूर्ण कार्य किया है। भारत को समझने के लिए उनकी पुस्तकों का अध्ययन करना पड़ेगा। भारतीय शिक्षा में व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास कैसे हो इसपर जोर दिया जाता है। यदि किसी को भारतीय शिक्षा पद्धति कैसे कार्य करती है यह देखना हो तो उसे एकबार विद्या भारती की शिशु वाटिका का भ्रमण अवश्य करना चाहिए। विद्या भारती की दस हजार शिशु वाटिकाएँ एक मॉडल के रूप में कार्य कर रही हैं। इनमें तीन लाख विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। पहले कहा जाता था कि अधिक पढ़ा (ज्ञानी) लिखा घर छोड़ देता था अर्थात विरक्त हो जाता था किन्तु अब अधिक पढ़े-लिखे अधिक भ्रष्ट हो रहे हैं। शिक्षा में भारतीय लोकाचार या मान्य लोक परम्पराओं (इथोस) की अवहेलना के कारण ऐसी स्थिति निर्मित हुई। अब कई वर्षों बाद पहली बार वैसी शिक्षा नीति बनी है जैसी भारत के लिए बननी चाहिए थी। आज अन्य देशों के लोग भी हमारी शिक्षा नीति का अध्ययन कर रहे हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

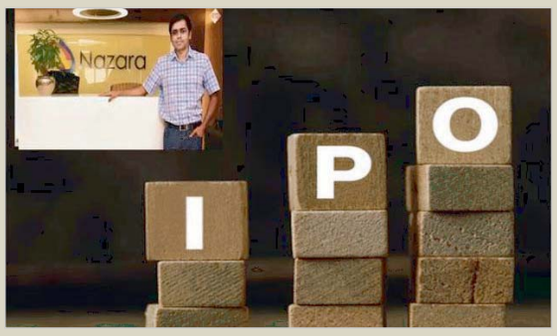

नजारा टेक का आईपीओ 17 मार्च को खुलेगा, मूल्य दायरा 1100-1,101 रुपए प्रति शेयर

नई दिल्ली: गेमिंग कंपनी नजारा टेक्नोलॉजीज का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 17 मार्च को खुलेगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 1,100-11,01 रुपए रखा गया है। नजारा टेक्नोलॉजीज ने शुक्रवार को वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आईपीओ 19 मार्च को बंद होगा। एंकर निवेशक 16 मार्च को बोली लगा सकेंगे। कंपनी को चर्चित निवेशक राकेश झुनझुनवाला का समर्थन है। कंपनी की विश्व क्रिकेट चैंपियनशिप, छोटा भीम और मोटू पतलू श्रृंखला पर गेम्स काफी लोकप्रिय हैं। नजारा के आईपीओ के तहत प्रवर्तकों तथा मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 52,94,392 शेयरों की बिक्री की जाएगी। आईपीओ के तहत मित्र इन्फोटेक एलएलपी (प्रवर्तक), आईआईएफएल स्पेशल अपॉरच्यूनिटीज फंड, गुड गेम इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट, इंडेक्सअर्ब सिक्योरिटीज और अजीमथ इन्वेस्टमेंट्स द्वारा शेयरों की बिक्री की जाएगी। इस पेशकश के तहत दो करोड़ रुपए तक के शेयर कंपनी के कर्मचारियों के लिए आरक्षित रहेंगे। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर 583 करोड़ रुपए जुटने की उम्मीद है।

यूट्यूब ने 6 महीने में कोविड वैक्सीन के बारे में गलत सूचना देने वाली 30 हजार वीडियो हटाई

नई दिल्ली. कोविड-19 से संबंधित झूठे दावों को ध्वस्त करने के उद्देश्य से, वीडियो-स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म यूट्यूब ने पिछले छह महीनों में कोविड-19 वैक्सीन के बारे में गलत जानकारी साझा करने पर 30,000 से अधिक वीडियो हटा दिए हैं। एक्सियोस की एक रिपोर्ट के अनुसार, वीडियो-स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने फरवरी 2020 से कोविड-19 गलत सूचना वाले 800,000 से अधिक वीडियो को हटा दिया है। वीडियो को पहले कंपनी के एआई सिस्टम या मानव समीक्षकों द्वारा फ्लैग किया जाता है और फिर समीक्षा के एक और स्तर के बाद इस पर फैसला लिया जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूट्यूब के नियमों के अनुसार वैक्सीन नीति का उल्लंघन करने वाले वीडियो सामग्री हटा दी गई है। फेसबुक और ट्विटर सहित अन्य प्लेटफार्मों ने भी इस तरह की सामग्री के प्रसार और पहुंच को कम करने के लिए नीतियां बनाई हैं। हाल ही में माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर ने कोविड-19 टीकाकरण के बारे में भ्रामक ट्वीट के खिलाफ स्ट्राइक सिस्टम शुरू करते हुए कड़ी कार्रवाई की शुरूआत की है और पांच या अधिक स्ट्राइक के कारण अकाउंट को स्थायी तौर पर निलंबित कर दिया जाएगा। कोविड-19 के लिए अभियान शुरू करने के बाद से ट्विटर ने कहा है कि उसने 8,400 से अधिक ट्वीट हटा दिए हैं और दुनिया भर में 1.15 करोड़ अकाउंट्स पर कार्रवाई भी की है। फिलहाल दुनिया भर में कोरोना वैक्सीन को लेकर सोशल मीडिया में तमाम तरह के दुष्प्रचार चल रहे हैं। भारत में भी कोरोना वैक्सीन को लेकर अफवाहें चल रही हैं। इसी वजह से वैक्सीनेशन की शुरुआत में सुस्ती देखने को मिली थी। अफवाहों पर कई बार विपक्ष ने भी सरकार से सफाई मांगी थी। हालांकि अब प्रधानमंत्री के द्वारा वैक्सीन लेने पर अभियान में तेजी देखने को मिल रही है। सोशल मीडिया पर वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स और धार्मिक पहलू से जुड़ी अफवाहें ज्यादा फैलाई जा रही हैं।

शेयर बाजारों में तीन दिन की तेजी के सिलसिले पर ब्रेक, सेंसेक्स 487 अंक टूटा

मुंबई,

शेयर बाजारों में शुक्रवार को तीन कारोबारी सत्रों से जारी तेजी का सिलसिला थम गया और सेंसेक्स 487 अंक टूट गया। कमजोर वैश्विक रुख के बीच निवेशकों ने रिलायंस इंडस्ट्रीज, बैंकों और वाहन कंपनियों के शेयरों में बिकवाली की जिससे बाजार नीचे आ गया।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स दिन में कारोबार के दौरान कुल मिलाकर 1,283 अंक घट-बढ़ के बाद अंत में 487.43 अंक या 0.95 प्रतिशत के नुकसान से 50,792.08 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 143.85 अंक या 0.95 प्रतिशत के नुकसान से 15,030.95 अंक पर आ गया।

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज ऑटो का शेयर सबसे अधिक 3.10 प्रतिशत टूट गया। मारुति, आईसीआईसीआई बैंक, सनफार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर पावरग्रिड, ओएनजीसी, टाइटन और इन्फोसिस के शेयर 2.28 प्रतिशत तक चढ़ गए। कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 386.76 अंक या 0.78 प्रतिशत चढ़ा। वहीं निफ्टी में 92.85 अंक या 0.62 प्रतिशत का लाभ रहा। रिलायंस सिक्योरिटीज के प्रमुख रणनीति विनोद मोदी ने कहा कि सकारात्मक वैश्विक रुख से बाजार बढ़त के साथ खुले। लेकिन वित्तीय और वाहन कंपनियों के शेयरों में बिकवाली दबाव से अंत में घरेलू बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। उन्होंने कहा कि अमेरिका में 10 साल के बांड में निवेश पर प्राप्ति की दर बढ़कर 1.6 प्रतिशत हो गई है। इससे भी शेयरों को लेकर निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। बीएसई मिडकैप में 0.45 प्रतिशत और स्मॉलकैप में 0.14 प्रतिशत की

गिरावट आई। अन्य एशियाई बाजारों में चीन के शंघाई कम्पोजिट, दक्षिण कोरिया के कॉस्पी तथा जापान के निक्की में लाभ रहा। वहीं हांगकांग के हैंगसेंग में गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार नुकसान में थे। इस बीच, वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.09 प्रतिशत के नुकसान से 69.57 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इस बीच, अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 12 पैसे की बढ़त के साथ 72.79 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

रुपये में तीसरे दिन भी तेजी, डालर के समक्ष 12 पैसे की तेजी के साथ बंद

मुंबई, कच्चे तेल की कीमतों में मामूली गिरावट आने के बीच अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी रही। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले शुक्रवार को रुपया 12 पैसे मजबूत होकर 72.79 (अनंतिम) पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 72.66 पर मजबूत खुला। कारोबार के दौरान आरंभिक लाभ कुछ कम हो गया। अंत में, यह अपने पिछले बंद स्तर के मुकाबले 12 पैसे मजबूत होकर 72.79 प्रति डालर पर बंद हुआ। तेजी के पिछले तीन सत्रों के दौरान रुपया प्रति डालर 46 पैसे मजबूत हुआ है। बृहस्पतिवार को 'महाशिवरात्रि' पर्व के कारण बाजार बंद रहे। दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के समक्ष डालर की मजबूती को दर्शाने वाला डालर सूचकांक भी 0.57 प्रतिशत मजबूत होकर 91.94 अंक हो गया। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 487.43 अंक नीचे 50,792.08 अंक पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल चल रहे हैं। उन्होंने बुधवार को 15.69 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की।

त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई से बाहर आने के बाद आईडीबीआई का शेयर 10 प्रतिशत चढ़ा

नयी दिल्ली, आईडीबीआई बैंक का शेयर शुक्रवार को करीब 10 प्रतिशत चढ़ गया। आईडीबीआई बैंक करीब चार साल बाद रिजर्व बैंक के त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) नियम से बाहर आया है। इससे बैंक के शेयरों में जोरदार उछाल आया। बीएसई में बैंक का शेयर शुरुआती कारोबार में 17.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44.80 रुपये पर पहुंच गया। अंत में यह 9.80 प्रतिशत की बढ़त के साथ 42 रुपये पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में बैंक का शेयर 17.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 45 रुपये पर पहुंचा था। अंत में यह 9.80 प्रतिशत के लाभ से 42 रुपये पर बंद हुआ। रिजर्व बैंक ने आईडीबीआई बैंक को मई, 2017 को पीसीए के तहत डॉला था। आईडीबीआई बैंक के प्रदर्शन की 18 फरवरी, 2021 को वित्तीय निगरानी बोर्ड (बीएफएस) की बैठक में समीक्षा की गई।

Apple ने भारत में शुरू किया iPhone 12 का उत्पादन, कहा- यहां प्रोडक्शन करने पर गर्व

बिजनेस डेस्क:

अमेरिका की दिग्गज स्मार्टफोन कंपनी **Apple** ने भारत में लेटेस्ट **iPhone** 12 को असेंबल करना शुरू कर दिया है। कंपनी का यह निर्णय देश में अपने डिवाइस प्रोडक्शन को बढ़ाने के बड़े उद्देश्य का हिस्सा है, जो दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार है। कंपनी ने खुद इसकी पुष्टि की है। फिलहाल कंपनी देश में सिर्फ बेस मॉडल आईफोन 12 ही असेंबल कर रही है। एप्पल ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमें अपने स्थानीय ग्राहकों के लिए भारत में आईफोन 12 का उत्पादन शुरू करने पर गर्व है।

फॉक्सकॉन के तमिलनाडु प्लांट में असेंबल किया जाएगा

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल देश में अपने ऑफिशियल मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर फॉक्सकॉन की मदद से भारत में आईफोन 12 को असेंबल किया है। लेटेस्ट आईफोन को फॉक्सकॉन के तमिलनाडु प्लांट में असेंबल किया जाएगा। हालांकि, फॉक्सकॉन को अभी इस बारे में कोई सफाई नहीं दी है। भारत में आईफोन 12 का असेंबल फॉक्सकॉन के साथ शुरू होना कोई आश्चर्यजनक नहीं है क्योंकि बेंगलुरु स्थित कंपनी का दूसरा मैन्युफैक्चरर विस्ट्रॉन कुछ महीने पहले एक हिंसक विरोध प्रदर्शन से गुजरा है।

2017 में आईफोन SE के साथ शुरू किया था लोकल प्रोडक्शन

आईफोन 12 के भारत में असेंबल होने के साथ, एप्पल स्थानीय रूप से असेंबल किए गए आईफोन के अपने विजन को आगे बढ़ा रही है, जो 2017 में आईफोन **SE** के साथ शुरू हुआ। आईफोन 6s, आईफोन 7, आईफोन **XR,** आईफोन 11 और यहां तक कि आईफोन **SE** (2020) जल्द ही विजन का हिस्सा बन गए। एप्पल का यह कदम देश में 'मेक इन इंडिया' उद्देश्य को भी आगे ले जा रही है।

भारतीयों के लिए कितना फायदेमंद होगा कंपनी का यह कदम?

भारत में आईफोन को असेंबल करना लोगों के लिए अधिक रोजगार सुनिश्चित कर सकता है और भारत पर एप्पल का ध्यान केंद्रित करने में मदद करने के लिए अत्यधिक अपेक्षित है। लेकिन, अगर आपको लगता है कि आईफोन 12 की कीमतों में एक महत्वपूर्ण गिरावट होगी, तो ऐसा नहीं होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि, एप्पल सिर्फ आईफोन को भारत में असेंबल करेगा। इसके कंपोनेंट भारत में नहीं बनाए जाएंगे। हालांकि, यह लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है क्योंकि स्थानीय स्तर पर असेंबल किए गए आईफोन, हर साल अक्सर देखे जाने वाले सीमा शुल्क वृद्धि से प्रभावित नहीं हो

सकते हैं।

भारत में मैन्युफैक्चरिंग पर सरकार देती है कई लाभ

यह कदम बताता है कि भारत वैश्विक स्मार्टफोन निर्माताओं के लिए एक बड़े उत्पादन केंद्र के रूप में कैसे उभर रहा है। सैमसंग, शाओमी, ओप्पो, वीवो और वनप्लस पिछले डेढ़ दशक से भी अधिक समय से भारत में अपने स्मार्टफोन मॉडल पेश कर रहे हैं और इन कंपनियों ने भी हाल के वर्षों में अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि की है। वैश्विक दिग्गजों को आकर्षित करने के लिए, केंद्र सरकार उन फर्मों को टैक्स बेनिफिट्स प्रदान कर रही हैं जो भारत में उत्पादन कर रही है या जिन्होंने हालिया तिमाहियों में उत्पादन में वृद्धि की है।

तेल और गैस की बढ़ती कीमतों ने तोड़ी आम आदमी की कमर, फरवरी में बढ़ी महंगाई

बिजनेस डेस्क:

तेल और गैस की बढ़ती कीमतों का असर आम आदमी पर भी पड़ा है। फरवरी में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.03 प्रतिशत हो गई है। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति इससे एक माह पहले जनवरी में यह 4.06 प्रतिशत थी। पिछले साल इसी महीने खुदरा महंगाई दर 6.58 प्रतिशत थी। जो कि पिछले साल के मुकाबले 1.55 प्रतिशत कम है। वहीं जनवरी में औद्योगिक उत्पादन 1.6 प्रतिशत घट गया है। खुदरा महंगाई के बढ़ने में मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढोतरी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार फरवरी में फूड बास्केट में मुद्रास्फीति की दर बढ़कर 3.87 प्रतिशत हो गई, जो इससे पहले जनवरी महीने में 1.89 प्रतिशत थी। 'फ्यूल और लाइट' श्रेणी में मुद्रास्फीति में वृद्धि देखी गई। जनवरी में 3.53 प्रतिशत पर थी, जो बढ़कर 3.87 प्रतिशत पर पहुंच गई है। रिज़र्व बैंक, जो मुख्य रूप से अपनी मौद्रिक नीति के दौरान खुदरा मुद्रास्फीति का कारक है, को सीपीआई मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत पर रखने के लिए कहा गया है, जिसके दोनों ओर 2 प्रतिशत का मार्जिन है ।

जनवरी में सब्जियों ने कम की थी महंगाई

जनवरी में मुद्रस्फीति के 4.06 प्रतिशत पर होने का मुख्य कारण सब्जियों की कीमतों में कमी आना था। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति इससे एक माह पहले दिसंबर 2020 में 4.59 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वर्ग में कीमतों में सालाना आधार पर वृद्धि की दर जनवरी 2021 में 1.89 प्रतिशत रही। दिसंबर 2020 में खाद्य मुद्रास्फीति 3.41 प्रतिशत थी। रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति तय करते समय खुदरा मुद्रास्फीति की दर पर गौर करता है। संसद ने रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ 4 प्रतिशत रखने की नीतिगत जिम्मेदारी दी है। जनवरी में लगातार दूसरे महीने खुदरा मुद्रास्फीति इस दायरे में रही है। जनवरी 2021 में सब्जियों की कीमतों में और नरमी आयी। इनकी मुद्रास्फीति शून्य से 15.84 प्रतिशत नीचे रही। इसी तरह दाल एवं उत्पाद श्रेणी में मुद्रास्फीति नरम होकर 13.39 प्रतिशत पर आ गई। इससे पहले दिसंबर 2020 में सब्जियों की मुद्रास्फीति शून्य से 10.41 प्रतिशत नीचे तथा दाल एवं उत्पाद खंड में 15.98 प्रतिशत रही थी।

मुद्रास्फीति क्या है?

एक निश्चित अवधि में मूल्यों की उपलब्ध मुद्रा के सापेक्ष वृद्धि मुद्रा स्फीति या महंगाई कहलाती है। मान लीजिये आज

आप एक प्लेट छोले मसाला 100 रुपए में खरीदते हैं। सालाना मुद्रास्फीति अगर 10त मानकर चलें, यही छोले अगले साल आप 110 रुपए में खरीदेंगे। आपकी आमदनी अगर तुलनात्मक रूप से कम से कम इतनी भी नहीं बढ़ती है, आप इसे या इस प्रकार की अन्य वस्तुओं को खरीदने की स्थिति में नहीं होंगे।

म्यूचुअल फंड उद्योग ने सतत बांड में निवेश सीमा तय करने के सेबी के कदम का समर्थन किया

नयी दिल्ली,

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया (एएमएफआई) ने शुक्रवार को कहा कि वह पूंजी बाजार नियामक सेबी के निश्चित सुनिश्चित आय देने वाले बिना परिपक्वता अवधि के बांड (सतत बांड) पर म्यूचुअल फंड के निवेश पर सीमा लगाये जाने के कदम का समर्थन करता है। उद्योग संगठन के अनुसार वह इस बात से सहमत है कि ऐसी प्रतिभूतियों पर जोखिम अन्य नियमित बांड के मुकाबले ज्यादा है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बुधवार को खास विशेषताओं वाले ऋण प्रतिभूतियों में निवेश और सतत बांड के मूल्यांकन के संदर्भ में नियमों की समीक्षा को लेकर परिपत्र जारी किया गया। नये नियम के तहत म्यूचुअल फंड सतत बांड जैसे खास विशेषताओं वाली ऋण प्रतिभूतियों में अपनी किसी योजना के कुल कोष का 10 प्रतिशत से अधिक निवेश नहीं कर सकते। साथ ही किसी एक कंपनी की ऐसी ऋण प्रतिभूतियों में निवेश 5 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता।

इसके अलावा मूल्यांकन के उद्देश्य से सभी सतत बांड की परिपक्वता अवधि निर्गम तिथि से 100 वर्ष मानी जानी चाहिए। म्यूचुअल फंड इकाइयों के संगठन ने एक बयान में कहा कि वह सतत बांड में निवेश सीमा तय किये जाने के लिये जारी परिपत्र की जरूरत और उसकी भावना का पूर्ण रूप से समर्थन करता है। एएमएफआई ने कहा कि कुछ योजनाओं में जहां सतत बांड में निवेश निर्धारित सीमा से अधिक है, उन मामलों में नियामक ने पुरानी व्यवस्था लागू रहने की छूट दी है ताकि अनावश्यक रूप से बाजार में कोई समस्या पैदा नहीं हो।

उद्योग संगठन ने कहा कि सेबी ने सतत बांड के मामले में एएमएफआई के साथ विचार-विमर्श किया था। इसका कारण यह एक 'हाइब्रिड' निवेश उत्पाद है और जोखिम भी सामान्य ऋण प्रतिभूतियों के मुकाबले अधिक है।

कॉग्निजेंट अपने 2 लाख कर्मचारियों का कोविड टीकाकरण का खर्च उठाएगी

नई दिल्ली:

देश में बड़े पैमाने पर कोरोना टीकाकरण शुरू होने के बाद अब कई कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए कोरोना वैक्सीन का खर्च उठाने की योजना बना रही हैं। वहीं, आईटी क्षेत्र की कंपनी काग्निजेंट ने कहा है कि वह भारत में अपने 2 लाख कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों, ठेके पर काम करने वाले तथा सहयोगी स्टाफ सहित कुल मिलाकर छह लाख से अधिक लोगों को कोविड-19 टीका लगाने का खर्च उठाएगी।

काग्निजेंट इंडिया के चेयरमैन और एमडी राजेश नाम्बियार ने ई-मेल के जरिए भेजे गए अपने बयान में कहा, कोविड-19 महामारी के कारण भारत के लिए बीता साल काफी उठापटक वाला रहा।

इस दौरान हमारे कर्मचारियों ने दुनियाभर के लाखों लोगों को महत्वपूर्ण सेवाओं देने में अहम भूमिका निभाई। काग्निजेंट ने अपने ग्राहकों और समुदायों के जरिए कोरोना काल में आगे रहकर लोगों की सेवा करने वाले कर्मियों को भी अपनी सेवायें पहुंचाई।%% उन्होंने कहा अब जबकि कोविड-19 का टीका आखिरकार जनता के लिये उपलब्ध हो चुका है, तब कंपनी ने भारत में छह लाख से अधिक लोगों के टीकाकारण का खर्च उठाने का फैसला किया है।

कई कंपनियां कर चुकी हैं ऐसी घोषणा

इससे पहले, आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी इंफोसिस, सॉफ्टवेयर कंसल्टिंग फर्म एक्सेंचर (**Accenture**), फ्रांसीसी आईटी कंपनी कैपजेमिनी, स्वच्छ ऊर्जा कंपनी रिन्यू पावर, आरआईएल, टीवीएस मोटर, फ्लिपकार्ट, एनटीपीसी, एसबीआई, वेदांता जैसी निजी और सरकारी कंपनियां भी कर्मचारियों के कोविड टीकाकरण का खर्च उठाने का फैसला कर चुकी हैं।

अक्टूबर-मार्च 2016-20 के बीच खुदरा मुद्रास्पीति को औसतन चार प्रतिशत के नीचे रहीः रिपोर्ट

मुंबई,

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रा स्फीति अक्टूबर 2016 से मार्च 2020 की अवधि में औसतन 3.9 प्रतिशत रही जो चार प्रतिशत के लक्ष्य से कम है। इसे रिजर्व बैंक अपनी उपलब्धि मान सकता है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुये कहा गया है कि पांच साल बाद रिजर्व बैंक एक बार फिर अपनी मौद्रिक नीति व्यवस्था की समीक्षा करने जा रहा है। रिजर्व बैंक के गवर्नर की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति 31 मार्च तक नीतिगत ढांचे और मुद्रास्फीति लक्ष्य की समीक्षा करने की तैयारी में हैं।

जून 2016 में रिजर्व बैंक को इस संबंध में पहली बार मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत की घटबढ़ के साथ चार प्रतिशत पर स्थिर रखने का काम दिया गया था। उसके बाद यह पहली बार होगा जब रिजर्व बैंक इसकी समीक्षा करेगा। बैंक आफ अमेरिका (बोफा) सिक्युरिटीज ने रिजर्व बैंक के आंकड़ों का हवाला देते हुये कहा कि इस दौरान न केवल उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रा स्फीति औसतन 3.9 प्रतिशत न केवल चार प्रतिशत के लक्ष्य के दायरे में रही बल्कि इस दौरान उसमें उतार - चढ़ाव भी घट कर1.4 अंक के दायरे में रहा। ये आंकड़े अक्टूबर 2016 से मार्च 2020 की अवधि के हैं। इससे पहले 2012 से 2016 के दौरान मुद्रास्फीति में घटबढ का दायरा 2.4 तक रहा था। बैंक आफ अमेरिका सिक्युरिटीज के अर्थशास्त्री इंद्रनिल सेन गुप्ता और आस्थ गुडवानी ने एक नोट में शुक्रवार को कहा कि उनका मानना है कि अगले वित्त वर्ष 2021- 22 में सीपीआई मुद्रास्फीति औसतन 4.6 प्रतिशत पर रहेगी जो कि चालू वित्त वर्श 2020-21 के 6.2 प्रतिशत से कम होगी। इस प्रकार यह रिजर्व बैंक के मौजूदा तय दायरे 2 से 6 प्रतिशत के भीतर ही रहेगी। फरवरी 2021 में उनका मानना है कि सीपीआई का आंकड़ा 4.8 प्रतिशत रह सकता है जो कि जनवरी में 4.1 प्रतिशत पर था।

यह वृद्धि प्रतिकूल तुलनात्मक आधार और बढ़ते खाद्य और ईंधन मुद्रास्फीति की वजह से हुई है। नये मुद्रास्फीति लक्ष्य के बारे में उनका मानना है कि संशोधित रूपरेखा भी निचले स्तर पर दो प्रतिशत और उच्च स्तर पर 6 प्रतिशत के दायरे में बनी रहेगी।

ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस के लिए एलजी और लक्सॉफ्ट ने शुरू किया संयुक्त उपक्रम

सियोल।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज कहा कि उसने स्विस आधारित सॉफ्टवेयर कंपनी लक्सॉफ्ट के साथ ज्वाइंट वेंचर (संयुक्त उपक्रम) की शुरूआत की है, क्योंकि दक्षिण कोरियाई कंपनी की ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की योजना है। कंपनी के अनुसार, उनके संयुक्त उपक्रम अल्लुटो का मुख्यालय सांता क्लारा, कैलिफोर्निया में है और एलजी के वेबओएस ऑटो प्लेटफॉर्म पर आधारित डिजिटल कॉकपिट, इन-व्हीकल इंफोटेनमेंट, पैसेंजर-सीट एंटरटेनमेंट और राइड-हेलिंग सिस्टम के लिए समाधान प्रदान करेगा। एलजी और लक्सॉफ्ट, जो अब अमेरिकी आईटी सर्विस कंपनी डीएक्ससी टेक्नोलॉजी कंपनी के स्वामित्व में हैं और उसने उन्नत ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस विकसित करने के लिए एक संयुक्त उपक्रम स्थापित करने के लिए जनवरी 2020 में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। कंपनी ने यह भी कहा है कि अल्लुटो के लिए सोमवार को आधिकारिक लॉन्च इवेंट ऑनलाइन होना तय है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रमुख प्रौद्योगिकी अधिकारी, पार्क इल-प्योंग ने एक बयान में कहा, अल्लुटो के साथ, कार निर्माता अब एज से क्लाउड तक वाइब्रेंट वेबओएस इकोसिस्टम (पारिस्थितिकी तंत्र) में टैप कर सकते हैं और यह भविष्य की गतिशीलता के अनुभवों को नया और अलग करने के लिए एक नया शक्तिशाली विकल्प है। उन्होंने कहा, एलजी विभिन्न वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ रणनीतिक सहयोग के माध्यम से वेबओएस ऑटो पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना जारी रखेगा। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, वेबओएस ऑटो एक लिनक्स आधारित ऑटोमोटिव इंफोटेनमेंट प्लेटफॉर्म है, जिसे विशेष रूप से कनेक्टेड कारों के लिए सॉल्यूशंस प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोविड-19 मामलों में बढ़ोतरी के बाद साओ पाउलो में पेशेवर खेलों पर लगी रोक

साओ पाउलो (ब्राजील) । ब्राजील में कोविड-19 के बढ़ते मामलों का असर एक बार फिर से खेलों पर होने लगा है और साओ पाउलो राज्य ने पेशेवर खेलों पर 30 मार्च तक रोक लगा दी है। यह जानकारी राज्य के गवर्नर जोआओ डोरिया ने दी। इस फैसले का असर स्थानीय फुटबॉल चैम्पियनशिप पर भी पडेगा जो 2 सप्ताह पहले ही शुरू हुई थी। डोरिया ने कहा कि स्वास्थ्य प्रणाली को चरमराने से बचाने के लिए लोगों को बड़ी संख्या में जमा होने से रोकना होगा। राज्य में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़े है और अस्पतालों के आईसीयू (गहन चिकित्सा कक्ष) में सिर्फ 13 प्रतिशत बिस्तर ही खाली हैं। डोरिया ने कहा कि इस फैसले का असर साओ पाउलो में खेले जाने वाले राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं जैसे की कोपा लिब्रटाडोरेस पर नहीं पड़ेगा। साओ पाउलो के क्लब इस फैसले पर विचार करने के लिए मुलाकात करने वाले है जिसमें इन मैचों को किसी दूसरे राज्य में कराने पर चर्चा होगी।

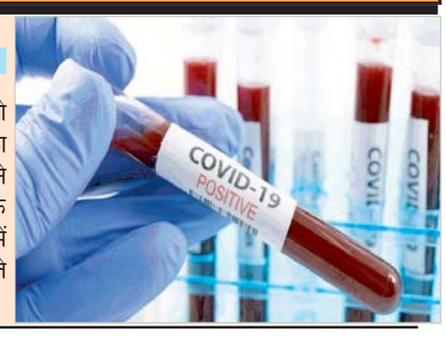

महिला क्रिकेट : द.अफ्रीका को डकवर्थ लुइस नियम के तहत 6 रनों से मिली जीत

लखनऊ।

सलामी बल्लेबाज लिजेले ली (नाबाद 132) की शानदार पारी से दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने यहां भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी एकाना स्टेडियम में बारिश से प्रभावित तीसरे वनडे मुकाबले में भारतीय महिला टीम को डकवर्थ लुइस नियम के तहत शुक्रवार को छह रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से बढ़त बना ली।

भारतीय टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पूनम राउत के 108 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 77 रन की बदौलत 50 ओवर में पांच विकेट पर 248 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने ली के 131 गेंदों पर 16 चौकों और दो छक्कों के सहारे 46.3 ओवर में चार विकेट पर 223 रन बना लिए थे कि तभी बारिश शुरु हो गई और मुकाबले को रोकना पड़ा। इसके बाद खेल दोबारा शुरु नहीं हो पाया और दक्षिण अफ्रीका ने डकवर्थ लुईस नियम के तहत यह मुकाबला जीत लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ली और लौरा वोलवार्ट ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई और दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 41 रनों की साझेदारी की। लेकिन दीप्ति शर्मा ने वोलवार्ट को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। ली ने इसके बाद एक छोर से पारी को संभाला और टीम की जीत में अहम भूमिका अदा की। दक्षिण अफ्रीका की पारी में ली के अलावा मिगनोन डू प्रेज ने 37, लारा गुडऑल ने 16 और वोलवार्ट ने 12 रनों का योगदान दिया जबकि एने बोश 16 रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत की ओर से झूलन गोस्वामी ने दो विकेट, राजेश्वरी गायकवाड ने एक और दीप्ति शर्मा ने एक विकेट लिया। इससे पहले, भारत ने पूनम के अर्धशतक से संतोषजनक स्कोर खड़ा किया। भारत की पारी में पूनम के अलावा स्मृति मंधाना ने 25, कप्तान मिताली राज ने 36, हरमनप्रीत कौर ने 36 और दीप्ति शर्मा ने नाबाद 36 रन बनाए जबकि सुषमा वर्मा 14 रनों पर नाबाद रहीं। अपनी 36 रनों की संक्षिप्त लेकिन उपयोगी पारी के दौरान मिताली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 या उससे अधिक रन बनाने वाली दूसरी महिला क्रिकेटर और भारत की पहली खिलाड़ी बन गईं। इंग्लैंड की पूर्व कप्तान चार्लोट एडवर्डस एकमात्र महिला क्रिकेटर हैं, जिन्होंने मिताली से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 से अधिक रन बनाए हैं। भारत की शुरूआत हालांकि अच्छी नहीं रही और जेमिमा रोड्रिग्वेज (0) को उसने शून्य के कुल योग पर ही गंवा दिया। लेकिन इसके बाद मंधाना और पूनम ने दूसरे विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी कर टीम को मुश्किल से निकाला। मंधाना का विकेट 64 के कुल योग पर गिरा। इसी बीच पूनम ने अपना अर्धशतक पूरा किया। पूनम का सीरीज में दूसरा अर्धशतक है। पूनम ने मिताली के साथ तीसरे विकेट के लिए 77 रन जोड़े और वह कप्तान के साथ स्कोर को 150 के करीब ले जाती दिख रही थीं, लेकिन 141 रनों के कुल योग पर कप्तान उनका साथ छोड़ गईं।

रोड सेफ्टी सीरीज : दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैड को 8 विकेट से हराया

रायपुर ।

दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार को यहां शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के अपने तीसरे मुकाबले में इंग्लैंड को 8 विकेट से हरा दिया। इंग्लैंड को 121 रनों के कम स्कोर पर आउट करने के बाद द. अफ्रीकी टीम ने मोर्न वान विक (46 रन, 31 गेंद, 6 चौके, 2 छक्के) के नेतृत्व में अपने बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 13 ओवरों में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका की तीन मैचों में यह दूसरी जीत है। उसे एक मैच में हार भी मिली है। उसके खाते में अब 8 अंक हो गए हैं। इंग्लैंड की यह तीन मैचों में

पहली हार है। उसके खाते में भी 8 अंक हैं। लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण दक्षिण अफ्रीका तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। द. अफ्रीका ने अच्छी शुरुआत की। एंड्रयू पुटिल (23 रन, 22 गेंद, 3 चौके) ने विक के साथ पहले विकेट के लिए 44 गेंदों पर 59 रन जोड़े।

पुटिक इसी योग पर जेम्स ट्रेडवेल द्वारा बोल्ड किए गए। विक ने अल्वारो पीटरसन (नाबाद 31 रन, 18 गेंद, तीन चौके, 1 छक्का) के साथ टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। विक 95 के कुल योग पर आउट हुए लेकिन इसके बाद पीटरसन और कप्तान जोंटी रोड्स (नाबाद 17 रन, 7 गेंद, 2 चौके, 1 छक्का) ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया और 42 गेंदें शेष रहते टीम को जीत दिला दी।

बैडमिंटन : यूएस ओपन और कनाडा ओपन कोविड-19 के कारण रद्द

नई दिल्ली । विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने शुक्रवार को घोषणा की कि कोविड-19 महामारी के कारण विश्व भर में प्रतिबंधों और जटिलताओं को देखते हुए इस साल यूएस ओपन और कनाडा ओपन का आयोजन नहीं किया जाएगा। यूएस ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट है जो बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर का हिस्सा है। इसका आयोजन छह से 11 जुलाई के बीच होना था। कनाडा ओपन सुपर 100 टूर्नामेंट है और यह 29 जून से चार जुलाई के बीच खेला जाना था। बीडब्ल्यूएफ ने बयान में कहा, 'कोविड-19 के कारण मौजूदा प्रतिबंधों और जटिलताओं को देखते हुए स्थानीय आयोजकों के पास इन टूर्नामेंट को रद्द करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।' इसमें कहा गया है, 'बैडमिंटन अमेरिका और बैडमिंटन कनाडा ने बीडब्ल्यूएफ के साथ सलाह मशविरे और समझौते के बाद यह फैसला किया।'

भारत और इंग्लैंड

मैच से पहले दर्शकों को लेकर गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन ने लिया बड़ा फैसला

स्पोर्ट्स डेस्क ।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जाने वाली टी20 सीरीज से पहले गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन ने तय किया है कि नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 50 प्रतिशतक दर्शकों को ही आने की अनुमति होगी। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 इंटरनेशनल सीरीज 12 से 20 मार्च तक चलेगी और इस दौरान पांच मैच खेले जाएंगे। गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष धनराज नाथवानी ने कहा, सभी कोविड-19 संबंधित सावधानियां बरती गई हैं और सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन किया जा रहा है। हम कोविड-19 महामारी के कारण यहां खेले जाने वाले सभी टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए नरेंद्र मोदी स्टेडियम में केवल 50त्न बैठने की क्षमता का उपयोग करने जा रहे हैं। 50 प्रतिशत तक टिकट ऑनलाइन और ऑफलाइन टिकट प्लेटफॉर्म पर जारी किए जाएंगे। दर्शकों की सुरक्षा को देखते हुए पूरे स्टेडियम को साफ कर दिया गया है। सभी कोविड-19 दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया जा रहा है और सभी आवश्यक सुरक्षा उपायों को लागू करने और उनका पालन करने के लिए विशेष कार्य बल समितियों का गठन किया गया है। भारत के कप्तान विराट कोहली ने गुरुवार को पुष्टि की कि रोहित और राहुल टी 20 सीरीज के लिए भारत की पहली पसंद हैं। कोहली ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे राहुल खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारत के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। भारत के कप्तान ने यह भी कहा कि अगर किसी एक खिलाड़ी को आराम दिया जाए तो शिखर धवन को टीम में रख सकते हैं।

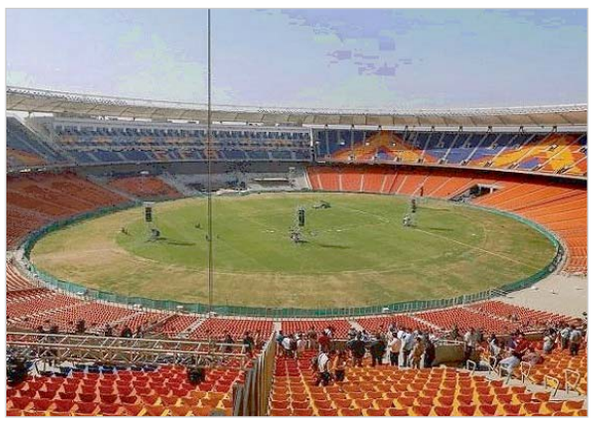

संक्षिप्त समाचार

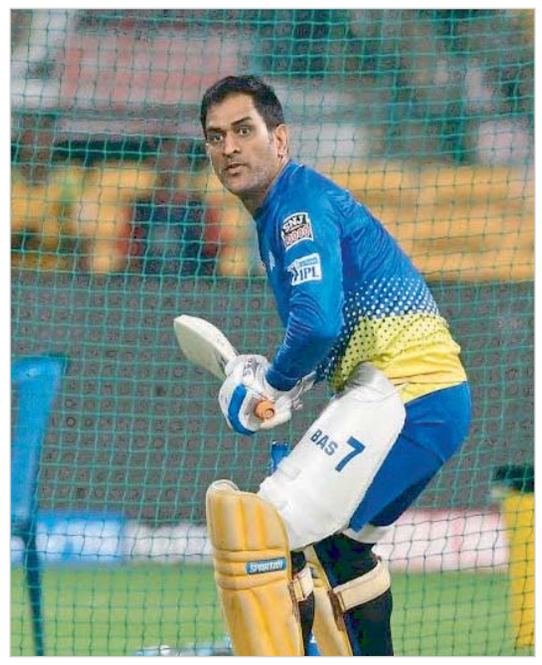

आईपीएल के लिए नेट अभ्यास में लगे धोनी

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और महान विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14वें सत्र के लिए अभ्यास करते नजर आ रहे हैं। धोनी का नेट अभ्यास करते हुए एक वीडियो सामने आया है। इसमें वह चौके छक्के लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी साझा किया है। सीएसके ने ट्विटर पर वीडियो साझा की है जिसमें धोनी नेट्स सत्र के दौरान चौके छक्के लगाते हुए नजर आए। अभ्यास के दौरान वह बड़े आराम से गेंद को पर शॉट खेल रहे थे। इस दौरान कुछ शॉट उन्होंने हवा में भी खेले और गेंदें स्टैंड्स में भी जाकर गिरी। इस वीडियो को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। ट्विटर पर शेयर की गई इस वीडियो को 77 हजार से ज्यादा लोगों ने देखा है। कप्तान धोनी के अलावा अंबाती रायडू सहित कई अन्य क्रिकेटर भी इस शिविर का हिस्सा हैं। आईपीएल में सीएसके का पहला मुकाबला 10 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स से होगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद सचिन से मिले थे पृथ्वी

मुंबई । विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के जरिये टीम इंडिया में वापसी का प्रयास कर रहे सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से वापसी आने के बाद उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर से बात की थी। जिससे उन्हें लाभ हुआ ओर वह अपनी लय हासिल करने में सफल रहे हैं। इस युवा सलामी बल्लेबाज ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया में अंदर आती गेंद पर अपने परेशान होने का कारण भी उन्हें समझ आ गया है। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे में शॉ आ प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसी कारण उन्हें पहले ही टेस्ट मैच के बाद बाहर कर दिया गया था। उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे में सलामी बल्लेबाज के तौर पर रखा गया था पर पहले टेस्ट की दोनो पारियों में नाकाम रहने के कारण हटा दिया गया। इसके बाद से ही शॉ की तकनीक को लेकर सवाल उठने लगे थे। इस युवा बल्लेबाज ने कहा, 'मैं वापस आने के बाद सचिन सर से मिला। उन्होंने कहा कि ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं है बस जितना हो सके शरीर के करीब से खेलो। मैं गेंद पर देरी से आ रहा था।' शॉ ऐडिलेड टेस्ट की दोनों पारियों में एक ही तरीके से आउट हुए। पृथ्वी ने भारतीय टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ को भी श्रेय दिया जिन्होंने उनकी कमी को पहचान कर उसे दूर करने में मदद की। रवि सर और विक्रम सर ने मुझे अहसास करवाया कि मैं क्या गलती कर रहा हूं।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज: एक और मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचना चाहेगा भारत

रायपुर ।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के अपने अगले मैच में इंडिया लेजेंड्स का सामना शनिवार को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका लेजेंड्स से होगा. यह मुकाबला जीतकर सचिन तेंदुलकर की कप्तानी वाली इंडिया लेजेंड्स टीम सेमीफाइनल में पहुंचना चाहेगी. इस बीच, दक्षिण अफ्रीका लेजेंड्स गुरुवार को अपने तीसरे मुकाबले में इंग्लैंड को हराकर अच्छी स्थिति में पहुंच गई है और अब वह भी एक और जीत के साथ नॉकआउट में जगह पक्की करना चाहेगी. इंडिया लेजेंड्स के खाते में चार मैचों से 12 अंक हैं और वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है. श्रीलंका की टीम 16 अंकों के साथ पहले स्थान पर है. दक्षिण अफ्रीकी टीम आठ अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है. अब भारत की टीम अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगी. इंग्लैंड के खिलाफ हालांकि भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और उसे टूर्नामेंट में पहली हार मिली थी. भारत ने इरफान पठान के नाबाद 61 रनों और मनप्रीत गोनी के नाबाद 35 रनों की मदद से लक्ष्य को हासिल करने की कोशिश की थी लेकिन उसे अंत में छह रनों से हार का सामना करना पड़ा था. भारतीय कप्तान सचिन तेंदुलकर बल्ले के साथ अपना जलवा नहीं दिखा पा रहे हैं. वह भी फार्म में वापसी चाहेंगे. अब तक टूर्नामेंट में उनका व्यक्तिगत सर्वोच्च योग नाबाद 33 रन रहा है, जो उन्होंने बांग्लादेश लेजेंड्स के खिलाफ बनाया था. भारतीय टीम के अन्य बल्लेबाज, जो संघर्ष कर रहे हैं, उनमें युवराज सिंह, मोहम्मद कैफ और यूसुफ पठान हैं. ये तीनों भी बल्ले के साथ अपनी मौजूदगी दिखाना चाहेंगे. भारत के लिए गेंदबाजी में सबसे बड़ी चिंता स्पिनर प्रज्ञान ओझा हैं, जो इंग्लैंड के खिलाफ काफी महंगे साबित हुए थे. प्रज्ञान ओझा ने चार ओवर में 43 रन दिए थे और एक भी विकेट नहीं हासिल कर सके थे. प्रज्ञान ओझा का फार्म खुद उन्हें भी परेशान कर रहा होगा, क्योंकि इसी

विकेट पर मोंटी पनेसर और थांडी साबालाला जैसे स्पिनर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. दक्षिण अफ्रीकी टीम की बात की जाए तो जोंटी रोंड्स की कप्तानी वाली यह टीम ऊंचे मनोबल के साथ भारत से भिड़ेगी. इस टीम ने इंग्लैंड के जिस आसानी से हराया था और उससे लगता है कि वह भारत को कड़ी टक्कर देगी. दक्षिण अफ्रीकी टीम ने न सिर्फ बल्ले के साथ अपना फार्म वापस पाया है बल्कि गेंद के साथ भी वह प्रभावशाली दिखाई दे रही है.

भारत के 2022 फीफा विश्व कप क्वालीफायर्सके बचे मुकाबले कतर में होंगे

(एजेंसी)

भारतीय फुटबॉल टीम के 2022 फीफा विश्व कप क्वालीफायर्स के बाकी बचे मुकाबले कतर में कराए जाएंगे। एशिया फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। एएफसी ने एशियाई क्वालीफायर्स के लिए सेंटरालाइज्ड स्थान की घोषणा की है। एएफसी ने बयान जारी कर कहा, फीफा विश्व कप 2022 का मेजबान कतर ग्रुप ई की टीमें ओमान, अफगानिस्तान, भारत और बांग्लादेश का स्वागत करता है। कार्यक्रम के अनुसार, भारत का कतर के साथ मुकाबला तीन जून, बांग्लादेश के साथ सात जून और अफगानिस्तान के साथ 15 जून को होंगे। भारत को पहले कतर और अफगानिस्तान के साथ मुकाबले की मेजबानी करनी थी और बांग्लादेश के साथ बाहर जाकर खेलना था। कोरोनावायरस के कारण नवंबर 2020 से विश्व कप क्वालीफायर्स के मुकाबले नहीं हुए हैं। भारत को दोस्ताना मुकाबले में 25 मार्च को ओमान से और 29 मार्च को संयुक्त अरब अमीरात से मैच खेलना है।

हॉकी प्रो लीग में अप्रैल में होगा भारत-अर्जेंटीना मुकाबला

लुसाने । एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भारत और अर्जेंटीना का मुकाबला अप्रैल के में होगा जबकि अप्रैल के अन्य मैचों को स्थगित कर दिया गया हैं। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि अर्जेंटीना-जर्मनी (पुरुष और महिला) तथा अर्जेंटीना-भारत (पुरुष) के प्रो लीग मुकाबले क्रमशः 3-4 और 10-11 अप्रैल को अर्जेंटीना में खेले जाएंगे। पुरुष लीग में भारत विश्व रैंकिंग में पांचवें और अर्जेंटीना छठे तथा जर्मनी चौथे स्थान पर है। भारत और जर्मनी ने अब तक छह मुकाबले खेले हैं जबकि अर्जेंटीना ने आठ मुकाबले खेले हैं। भारत ने हाल में यूरोप का दौरा किया था और चार मैचों के इस दौरे में अपराजित रहा था। उसने इस दौरान जर्मनी को 6-1 से भी हराया था। एफआईएच ने बताया कि कोरोना महामारी के कारण अप्रैल महीने के अन्य मैच स्थगित कर दिए गए हैं।

विजेंदर 19 मार्च को रिंग में वापसी करेंगें, रूस के इस खिलाड़ी से होगा मुकाबला

नई दिल्ली :

भारत के पेशेवर मुक्केबाजी स्टार विजेंदर सिंह कोविड-19 के कारण एक साल से अधिक समय तक रिंग से दूर रहने के बाद 19 मार्च को रूस के अर्तयश लोपसन के खिलाफ मुकाबले से वापसी करेंगे। विजेंदर और लोपसन के बीच सुपर मिडिल-वेट (76 किग्रा भारवर्ग) का मुकाबला गोवा के पणजी में मैजेस्टिक प्राइड कसिनो जहाज की छत (रूफटॉप डेक) पर खेला जाएगा। लोपसन के नाम की घोषणा शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में की गई। विजेंदर ने मुकाबले की तैयारी राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता एमेच्योर मुक्केबाज जय भगवान के साथ अभ्यास कर की है। उन्होंने कहा, 'यह आसान साल नहीं था और और शरीर को लय हासिल करने में थोड़ा समय लगा। लेकिन पिछले दो महीने मेरे लिए अच्छे रहे। जय भगवान ने गुरूग्राम में अभ्यास के दौरान मेरी मदद की।' उन्होंने कहा, ''इस दौरान मैं ली बीयर्ड (उनके ब्रिटिश प्रशिक्षक) से ऑनलाइन तरीके से संपर्क में था और उनसे भी मदद मिली।' रूस के 26 साल के लोपसन ने छह पेशेवर मुकाबलो में भाग लिया है जिसमें से दो नॉकआउट सहित चार जीत शामिल है।

उन्होंने दिसंबर 2020 में अपने पिछले मुकाबले में युसुफ मागोमेदवेकोव के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत दर्ज की थी। विजेंदर ने पेशेवर करियर में 12 मुकाबले खेले है और सभी में जीत दर्ज की है। उन्होंने आठ मुकाबले नॉकआउट तरीके से अपने नाम किया है। बीजिंग ओलंपिक (2008) के इस कांस्य पदक विजेता ने नवंबर 2019 में खेले अपने पिछले मुकाबले में राष्ट्रमंडल के पूर्व चैम्पियन चार्ल्स एडामू को दुबई में हराया था। विजेंदर ने कहा, 'कोविड-19 से जुड़े प्रतिबंधों के कारण ली यहां नहीं पहुंच सके लेकिन उन्होंने ऑनलाइन तरीके से मेरी मदद की। जय को अभी मैं अपना कोच कह सकता हूं।'

लक्ष्य का पीछा करते हुए बल्लेबाजी आसान रहती है : मंधाना

लखनऊ। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते हुए बल्लेबाजी करना आसान रहना है। मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में नाबाद 80 रन की पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। मंधाना ने कहा कि बल्लेबाजी के लिये उतरने के समय उनका लक्ष्य जीत दर्ज करना रहता है। वहीं जब हमारे सामने लक्ष्य होता है तो यह आंकलना करना आसान हो जाता है कि किस प्रकार रन बनाये जाने चाहिये। उन्होंने कहा कि मुझे हर हालात में बल्लेबाजी करना पसंद है। हम बाद में बल्लेबाजी करें या पहले, लक्ष्य जीत दर्ज करना ही होता है। लक्ष्य का पीछा करते हुए वह लगातार दस एकदिवसीय अर्धशतक लगाने वाली पहली बल्लेबाज हैं हालांकि इस रिकॉर्ड की जानकारी उन्हें पहले नहीं थी। उन्होंने कहा कि मुझे मैच के बाद ही पता चला कि यह रिकॉर्ड मेरे नाम हो गया है। मैं बल्लेबाजी करते समय दबाव को लेकर ज्यादा नहीं सोचती। मैं चीजों को आसान रखने में भरोसा करती हूं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फरवरी महीने से जायद की फसलों की बुवाई का समय शुरू है। इन फसलों की बुवाई मार्च तक चलती है। इस समय बोने पर ये फसलें अच्छी पैदावार देती हैं। इस मौसम में खीरा, ककड़ी, करेला, लौकी, तोरई, पेठा, पालक, फूलगोभी, बैंगन, भिण्डी, अरबी जैसी सब्ज़ियों की बुवाई करनी चाहिए।

गर्मियों में उगाए सब्जियां होगा भरपूर फायदा

खीरा

खीरे की खेती के लिए खेत में क्यारियां बनाएं। इसकी बुवाई लाइन में ही करें। लाइन से लाइन की दूरी 1.5 मीटर रखें और पौधे से पौधे की दूरी 1 मीटर। बुवाई के बाद 20 से 25 दिन बाद निराई - गुड़ाई करना चाहिए। खेत में सफाई रखें और तापमान बढ़ने पर हर सप्ताह हल्की सिंचाई करें। खेत से खरपतवार हटाते रहें।

ककड़ी

ककड़ी की बुवाई के लिए एक उपयुक्त समय फरवरी से मार्च ही होता है लेकिन अगेती फसल लेने के लिए पॉलीथीन की थैलियों में बीज भरकर उसकी रोपाई जनवरी में भी की जा सकती है। इसके लिए एक एकड़ भूमि में एक किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। इसे लगभग हर तरह की ज़मीन में उगाया जा सकता है। भूमि की तैयारी के समय गोबर की खाद डालें व खेत की तीन से चार बार जुताई करके सुहागा लगाएं। ककड़ी की बीजाई 2 मीटर चौड़ी क्यारियों में नाली के किनारों पर करनी चाहिए। पौधे से पौधे का अंतर 60 सेंटीमीटर रखें। एक जगह पर दो - तीन बीज बोएं। बाद में एक स्थान पर एक ही पौधा रखें।

करेला

हल्की दोमट मिट्टी करेले की खेती के लिए अच्छी होती है। करेले की बुवाई दो तरीके से की जाती है - बीज से और पौधे से। करेले की खेती के लिए 2 से 3 बीज 2.5 से 5 मीटर की दूरी पर बोने चाहिए। बीज को बोने से पहले 24 घंटे तक पानी में भिगो लेना चाहिए इससे अंकुरण जल्दी और अच्छा होता है। नदियों के किनारे की ज़मीन करेले की खेती के लिए बढ़िया रहती है। कुछ अम्लीय भूमि में इसकी खेती की जा सकती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें इसके बाद दो - तीन बार हैरो या कल्टीवेटर चलाएं।

लौकी

लौकी की खेती कर तरह की मिट्टी में हो जाती है लेकिन दोमट मिट्टी इसके लिए सबसे अच्छी होती है। लौकी की खेती के लिए एक हेक्टेयर में 4.5 किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। बीज को खेत में बोने से पहले 24 घंटे पानी में भिगोने के बाद टाट में बांध कर 24 घंटे रखें। करेले की तरह लौकी में भी ऐसा करने से बीजों का अंकुरण जल्दी होता है। लौकी के बीजों के लिए 2.5 से 3.5 मीटर की दूरी पर 50 सेंटीमीटर चौड़ी व 20 से 25 सेंटीमीटर गहरी नालियां बनानी चाहिए। इन नालियों के दोनों किनारे पर गरमी में 60 से 75 सेंटीमीटर के फासले पर बीजों की बुवाई करनी चाहिए। एक जगह पर 2 से 3 बीज 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोएं।

भिंडी

भिंडी की अगेती किस्म की बुवाई फरवरी से मार्च के बीच करते हैं। इसकी खेती हर तरह की मिट्टी में हो जाती है। भिंडी की खेती के लिए खेत को दो-तीन बार जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा कर लेना चाहिए और फिर पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए। बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार दूरी 25-30 सेमी और कतार में पौधे की बीच की दूरी 15-20 सेमी रखनी चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद पहली निराई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण के लिए रासायनिक का भी प्रयोग किया जा सकता है।

तोरई

हल्की दोमट मिट्टी तोरई की सफल खेती के लिए सबसे अच्छी मानी जाती है। नदियों के किनारे वाली भूमि इसकी खेती के लिए अच्छी रहती है। इसकी बुवाई से पहले, पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें इसके बाद 2 से 3 बार बार हैरो या कल्टीवेटर चलाएं। खेत कि तैयारी में मिट्टी भुरभुरी हो जानी चाहिए। तोरई में निराई ज़्यादा करनी पड़ती है। इसके लिए कतार से कतार की दूरी 1 से 1.20 मीटर और पौधे से पौधे की दूरी एक मीटर होनी चाहिए। एक जगह पर 2 बीज बोने चाहिए। बीज को ज़्यादा गहराई में न लगाएं इससे अंकुरण पर फर्क पड़ता है। एक हेक्टेयर ज़मीन में 4 से 5 किलोग्राम बीज लगता है।

अरबी

अरबी की खेती के लिए रेतीली दोमट मिट्टी अच्छी रहती है। इसके लिए ज़मीन गहरी होनी चाहिए। जिससे इसके कंदों का समुचित विकास हो सके। अरबी की खेती के लिए समतल क्यारियां बनाएं। इसके लिए कतार से कतार की दूरी 45 सेमी. व पौधे से पौधे की दूरी 30 सेमी होनी चाहिए। इसकी गांठों को 6 से 7 सेंटीमीटर की गहराई पर बो दें।

पालक

पालक के लिए बलुई दोमट या मटियार मिट्टी अच्छी होती है लेकिन ध्यान रहे अम्लीय ज़मीन में पालक की खेती नहीं होती है। भूमि की तैयारी के लिए मिट्टी को पलेवा करके जब वह जुताई योग्य हो जाए तब मिट्टी पलटने वाले हल से एक जुताई करना चाहिए, इसके बाद 2 या 3 बार हैरो या कल्टीवेटर चलाकर मिट्टी को भुरभुरा बना लेना चाहिए। साथ ही पाटा चलाकर भूमि को समतल करें। पालक की खेती के लिए एक हेक्टेयर में 25 से 30 किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। बुवाई के लिए कतार से कतार की दूरी 20 से 25 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दूरी 20 सेंटीमीटर रखना चाहिए। पालक के बीज को 2 से 3 सेन्टीमीटर की गहराई पर बोना चाहिए, इससे अधिक गहरी बुवाई नहीं करनी चाहिए।

बैंगन

इसकी नर्सरी फरवरी में तैयार की जाती है और बुवाई अप्रैल में की जाती है। बैंगन की खेती के लिए अच्छी जल निकासी वाली दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है। नर्सरी में पौधे तैयार होने के बाद दूसरा महत्वपूर्ण कार्य होता है खेत को तैयार करना। मिट्टी परीक्षण करने के बाद खेत में एक हेक्टेयर के लिए 4 से 5 ट्रॉली पक्का हुआ गोबर का खाद् बिखेर दे। बैंगन की खेती के लिए दो पौधों और दो कतार के बीच की दूरी 60 सेंटीमीटर होनी ही चाहिए।

पेठा

पेठा कद्दू की खेती के लिए दोमट व बलुई दोमट मिट्टी सब से अच्छी मानी जाती है। इसके अलावा यह कम अम्लीय मिट्टी में आसानी से उगाया जा सकता है। पेठा की बुवाई से पहले खेतों की अच्छी तरह से जुताई कर के मिट्टी को भुरभुरी बना लेना चाहिए और 2-3 बार कल्टीवेटर से जुताई कर के पाटा लगाना चाहिए। इसके लिए एक हेक्टेयर में 7 से 8 किग्रा बीज की ज़रूरत होती है। इसकी बुवाई के लिए लगभग 15 हाथ लंबा का एक सीधा लकड़ी का डंडा ले लेते हैं, इस डंडे में दो-दो हाथ की दूरी पर फीता बांधकर निशान बना लेते हैं जिससे लाइन टेढ़ी न बने। दो हाथ की दूरी पर लम्बाई और चौड़ाई के अंतर पर गोबर की खाद का सीधे लाइन में गोबर की खाद घुरवा बनाते हैं जिसमे पेठे के सात से आठ बीजे गाड़ देते हैं अगर सभी जम गए तो बाद में तीन चार पौधे छोड़कर सब उखाड़ कर फेंक दिए जाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अनुष्का शर्मा

और विराट कोहली की प्यारी सी तस्वीर हुई वायरल, एक घंटे में ही मिले 23 लाख लाइक्स

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा (Anushka Sharma) और टीम इंडिया के कैप्टेन विराट कोहली (Virat Kohli) की बेटी वामिका आज पूरे दो महीने की हो गई हैं. अनुष्का ने अपने इंस्टा स्टोरी में जहां एक केक में लगे 2 कैंडल की फोटो शेयर की, तो वहीं अभी एक घंटे पहले विराट ने अनुष्का के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की जो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गई.

इंस्टाग्राम पर एक घंटे के अंदर विराट द्वारा शेयर की गई तस्वीर को 23 लाख से ज्यादा लोगों ने लाइक किया है.साथ लोग विराट और अनुष्का शर्मा की फोटो पर लगातार कमेंट्स कर दोनों की तस्वीर की काफी तारीफ भी कर रहे हैं. बता दें, 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (International Womens Day) के मौके पर अनुष्का ने अपनी बेटी के साथ एक फोटो शेयर की थी.

वहीं, विराट कोहली ने भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अनुष्का शर्मा और बेटी वामिका की फोटो शेयर करते हुए अनुष्का को सबसे ताकतवर महिलाओं में से एक बताया था.बता दें विराट कोहली और अनुष्का शर्मा 11 जनवरी को एक बेटी के पैरेंट्स बने थे. विराट कोहली ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस बात की जानकारी दी थी.अनुष्का और विराट दोनों ही इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहते हैं और आए दिन दोनों तस्वीरें शेयर करते रहते हैं.

अनुष्का और विराट दोनों की सोशल मीडिया पर भी लंबी चौथी फैन फॉओवर्स की लिस्ट है. अनुष्का को जहां इंस्टाग्राम पर 46.6 मिलियन लोग फॉलो करते हैं, तो वहीं विराट को इंस्टा पर फॉलो करने वालों की संख्या 102 मिलियन है.

इंडियन आइडल 12 में टाइगर श्रॉफ ने कह दी कुछ ऐसी बात, जिसे सुनकर रोने लगे जैकी श्रॉफ

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ (Jackie Shroff) हाल ही में सिंगिंग रियलिटी टीवी शो इंडियन आइडल 12 (Indian Idol 12) में पहुंचे। शो में जैकी श्रॉफ के साथ ही कार्यक्रम के कंटेस्टेंट्स, जजेस और होस्ट ने खूब मस्ती की। वहीं जैकी ने भी अपनी जिंदगी की कई बातों को साझा किया। हालांकि इस दौरान शो में कुछ ऐसा भी हुआ, जिसे देखकर जैकी श्रॉफ भावुक हो गए और रोने लगे।

जैकी को फैमिली का स्पेशल मैसेज

दरअसल शो में कुछ कंटेस्टेंट्स की परफॉर्मेंस के बाद जैकी श्रॉफ को एक वीडियो दिखाया जाता है। इस वीडियो में जैकी श्रॉफ के लिए उनकी पत्नी आयशा श्रॉफ (Ayesha Shroff) और बेटे टाइगर श्रॉफ (Tiger Shroff) का स्पेशल वीडियो मैसेज होता है। एक ओर जहां आयशा अपनी कुछ यादों को साझा करती हैं तो वहीं टाइगर अपने पिता को गर्व महसूस करवाने की बात कहते हैं।

आयशा और जैकी की पहली मुलाकात

वीडियो में आयशा कहती हैं, आप लोगों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि जब मैं पहली बार जैकी श्रॉफ से मिली थी, तब मैं 13 साल की थी। असल में हम एक रिकॉर्डिंग स्टूडियो पर मिले थे, जहां हमने 2 मिनट बात की और फिर मैंने घर आकर अपनी मां से कहा कि मैं एक ऐसे आदमी से मिली, जिससे मैं शादी करूंगी।

तीन साल बाद बातचीत हुई शुरू

वीडियो में आयशा आगे कहती हैं, इस मुलाकात के तीन साल बाद मैंने फिर उन्हें देखा और फिर हमारे बीच बातचीत की शुरुआत हुई। हम अक्सर बाहर भी जाते थे। उनसे शादी करना मेरी जिंदगी का सबसे बढ़िया फैसला है। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे उनके जैसा बढ़िया आदमी मिला। वो इस दुनिया के सबसे अच्छे पति और सबसे अच्छे पिता हैं।

टाइगर का मैसेज

आयशा के बाद जग्गू दादा के बेटे टाइगर श्रॉफ का भी वीडियो मैसेज दिखाया जाता है। वीडियो में टाइगर कहते हैं, सबसे पहले तो मैं सभी कंटेस्टेंट्स को उनके भविष्य के लिए ऑल द बेस्ट कहना चाहूंगा। सभी जजों को मेरा नमस्कार। मुझे यकीन है कि हमारी फैमिली ने आपको हमारे बारे में काफी कुछ बता दिया होगा।

भावुक हुए जैकी

टाइगर वीडियो में आगे कहते हैं, मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि आई लव यू वेरी मच डैड! जिंदगी में मेरा एक ही मकसद है कि मैं हर दिन आपको गर्व महसूस कराऊं और मुझे लगता है कि मैं ऐसा कर पा रहा हूं। बेटे का वीडियो देख जैकी भावुक हो जाते हैं और इंडियन आइडल को इसके लिए धन्यवाद देते हैं।

Kangana Ranaut ने जमानती वारंट को कोर्ट में दी चुनौती, 15 मार्च को होगी सुनवाई

गीतकार जावेद अख्तर की मानहानि की शिकायत के संबंध में बॉलीवुड एक अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ जमानती वारंट जारी हुआ था. मजिस्ट्रेट द्वारा जारी जमानती वारंट को कंगना ने सत्र अदालत में चुनौती दी है. कंगना के वकील ने कहा कि बुधवार को दाखिल उनकी याचिका पर 15 मार्च को सुनवाई होनी है.

अंधेरी मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत ने एक मार्च को कंगना के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था. इससे पहले वह अदालत में पेश नहीं हुई थीं. मजिस्ट्रेट आर आर खन्हड ने फरवरी में उन्हें समन जारी किया था.जब कंगना अदालत में पेश नहीं हुईं तो अदालत ने उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी किया और मामले में सुनवाई के लिए 26 मार्च की तारीख मुकर्रर की. मजिस्ट्रेट ने कहा कि कंगना को समन को चुनौती देने के लिए किसी ऊंची अदालत में जाने की स्वतंत्रता है लेकिन वह इस अदालत में पेश होने से नहीं बच सकतीं.

सोमवार को होगी सुनवाई

इससे पहले पुलिस ने अख्तर की शिकायत पर एक रिपोर्ट जमा की थी जिसमें कहा गया था कि कंगना रनौत के खिलाफ मानहानि का अपराध बनता है. अख्तर ने अभिनेत्री कंगना रनौत पर उनके बारे में झूठे बयान देने तथा उनकी साख को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया.

कंगना ने पिछले साल जून में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद बॉलीवुड में एक गुट होने की बात कही थी. कंगना के वकील रिजवान सिद्दीकी ने कहा कि सत्र अदालत में उनकी अर्जी पर सोमवार को सुनवाई होगी.

स्टेज पर फूट फूट कर रोई थीं Best TV Actress का अवॉर्ड लेने पहुंचीं

हिना खान

शो के होस्ट भी करने लगे थे नकल

हिना खान(Hina Khan) आज किसी परिचय की मोहताज नहीं है. आज बच्चा बच्चा उन्हें जानता है लेकिन ये सब हिना को रातों रात नहीं मिला था बल्कि इस स्टारडम के पीछे उनकी सालों की मेहनत थी जिसका फल उन्हें बखूबी मिला. हिना ने बतौर एक्ट्रेस अपने करियर की शुरुआत की थी स्टार प्लस के सबसे फेमस शो ये रिश्ता क्या कहलाता है(Yeh Rishta Kya Kehlata Hai) से. जिसमें उन्होंने लीड रोल प्ले किया था. वहीं एक बार उन्हें इस रोल के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला तो वो स्टेज पर फूट फूट कर रोने लगी थीं.

शो में निभाया था अक्षरा का पॉपुलर रोल

ये रिश्ता क्या कहलाता है में हिना खान ने अक्षरा नाम की लड़की का किरदार निभाया था जो काफी पॉपुलर हुआ. यही कारण था कि इस किरदार के लिए उन्हें आईटीए का बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था. जब हिना खान इस सम्मान को लेकर स्टेज पर पहुंचीं तो हाथों में ट्रॉफी लेकर काफी खुश हुईं लेकिन उसके साथ ही ये क्षण उनके लिए बेहद खास था इसलिए वो भावुक हो गईं. वो अपने इमोशन्स पर काबू नहीं कर पाईं और स्टेज पर ही काफी रोने लगीं.

होस्ट भी करने लगे थे नकल

वहीं जब अक्षरा यानि हिना खान स्टेज से चली गईं तो शो के होस्ट सुनील ग्रोवर भी उनकी नकल करने लगे और उन्ही की तरह रोने की एक्टिंग करने लगे थे.वहीं फिलहाल हिना खान इस शो को अलविदा कह चुकी हैं अब वो काफी सालों से शो से दूर हैं लेकिन बिग बॉस में नज़र आने के बाद वो फिल्म इंडस्ट्री में भी कदम रख चुकी हैं. वो हैक्ड नाम की फिल्म में नज़र आई थीं. जो साइबर क्राइम पर आधारित थी. इस फिल्म में हिना का रोल काफी डिफरेंट था और उन्हें काफी पसंद भी किया गया.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पाकिस्तान के तहरीक-ए-इंसाफ के नेता गुरदीप सिंह ने ली सासंद की शपथ

इस्लामाबाद। सत्तारूढ़ पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ के नेता गुरदीप सिंह ने शुक्रवार को सांसद के तौर पर शपथ ली। इसके साथ ही वह पाकिस्तानी संसद के उच्च सदन में शामिल पहले पगड़ीधारी सिख बन गए हैं। सिंह ने पाकिस्तानी संसद के उच्च सदन के लिए हुए चुनाव में अल्पसंख्यक सीट खैबर पख्तूनख्वा पर बड़े अंतर से अपने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार को मात दी थी। सिंह को सदन में 145 में से 103 मत मिले थे, जबकि जमीयत उलेमा-ए इस्लाम (फजलुर) के उम्मीदवार रणजीत सिंह को सिर्फ 25 और अवामी नेशनल पार्टी के आसिफ भट्टी को 12 वोट मिले थे। सिंह के अलावा 47 और सांसदों ने भी शुक्रवार को शपथ ग्रहण की। सिंह का नाता स्वात जिले से है और वह पाकिस्तानी संसद के उच्च सदन में शामिल पहले पगड़ीधारी सिख बन गए हैं। शपथ ग्रहण करने के बाद गुरदीप सिंह ने कहा कि वह देश में अल्पसंख्यक समुदाय की बेहतरी के लिए काम करेंगे।

अमेरिका की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए बाइडेन ने 1,900 अरब डॉलर की अमेरिका राहत योजना पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की खातिर बृहस्पतिवार को 1,900 अरब डॉलर की 'अमेरिका राहत योजना' पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत अमेरिका के अधिकांश लोगों को 1,400 डॉलर की सहायता देने की भी व्यवस्था की गई है। बाइडेन ने इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया जिससे देश की रीढ़ मजबूत होगी और देश का निर्माण करने वाले कामकाजी और मध्यम वर्ग के लोगों को फिर से आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। व्हाइट हाउस में बाइडन ने संवाददाताओं से कहा, ''कई हफ्तों तक इस विधेयक पर चर्चा और बहस हुई। यह स्पष्ट हो गया कि बहुत बड़ी संख्या में अमेरिकी लोग चाहे वे डेमोक्रेटिक पार्टी से हों, निर्दलीय हों या फिर रिपब्लिक पार्टी से हों सभी अमेरिका राहत योजना का मजबूती से समर्थन करते हैं।'' बाद में राष्ट्रपति राष्ट्र को संबोधित भी करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने संवाददाताओं को बताया कि कोविड-19 के कारण लॉकडाउन लगाए जाने को एक वर्ष पूरा हो गया, इस मौके पर राष्ट्रपति अमेरिकी जनता से सीधे बात करेंगे। बाइडन जनता को बताएंगे कि उनकी टीम ने अब तक क्या-क्या काम किए हैं। इसके अगले हफ्ते, अमेरिकी राहत योजना को बढ़ावा देने की खातिर बाइडन और उप राष्ट्रपति देशभर के दौरे पर जाएंगे।

कोविड-19 के नकली टीकों की खबर से चिंतित सरकार, इंटरपोल से ले रही मदद

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने कथित तौर पर बेचे जा रहे कोविड-19 के नकली टीकों को लेकर चिंता व्यक्त की है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ ज्वेली मिखाइज ने बुधवार को संसद में एक सवाल के जवाब में यह कहा। उन्होंने कहा, ''दक्षिण अफ्रीका में नकली टीकों के बारे में कुछ खबरें हमें प्राप्त हुई हैं। साउथ अफ्रीकन पुलिस सर्विसेस (एसएपीएस) इंटरपोल के साथ मिलकर इस पर काम कर रही है और हम बताना चाहते हैं कि यह चिंता का विषय है।'' मिखाइज ने कहा कि इस विषय को लेकर पुलिस हाई अलर्ट पर है। इससे पहले एसएपीएस ने दक्षिण अफ्रीका के लोगों को कोविड-19 के नकली टीके बेचने वालों से बचकर रहने को कहा था। इंटरपोल के सूचना देने के बाद जोहानिसबर्ग के निकट एक गोदाम पर छापा मारा गया था जहां से नकली टीके की करीब तीन हजार खुराकें मिली थीं। यहां से बड़ी संख्या में नकली फेस मास्क भी बरामद किए गए थे और इस मामले में घटनास्थल से चीन के तीन नागरिकों और जाम्बिया के एक नागरिक को गिरफ्तार किया गया था। मिखाइज ने बताया कि देश में कोविड-19 के टीके बिक्री के लिए नहीं है। उन्होंने बताया कि लोगों को यहां पर निःशुल्क टीके लगाए जा रहे हैं।

एच-1बी वीजा वाले विदेशी कर्मचारियों के लिए बाइडेन प्रशासन ने जारी की अधिसूचना

वाशिंगटन। जो बाइडेन प्रशासन ने पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन के विवादास्पद नियम में विलंब के लिए शुक्रवार को औपचारिक अधिसूचना जारी कर दी। यह नियम एच-1बी वीजा वाले विदेशी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य न्यूनतम वेतन में वृद्धि से संबंधित है। भारतीय आईटी पेशेवरों में यह वीजा काफी लोकप्रिय है। एच-1बी गैर-आव्रजक वीजा है जिसके तहत अमेरिकी कंपनियों को विशेषज्ञता वाले पदों पर विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने की अनुमति होती है। प्रौद्योगिकी कंपनियां इसके जरिये हर साल भारत और चीन से हजारों कर्मचारियों की नियुक्ति करती हैं। श्रम विभाग की शुक्रवार को प्रकाशित संघीय अधिसूचना के अनुसार वह इस बात पर विचार कर रहा है कि अंतिम नियम की प्रभावी तिथि तथा उसके साथ क्रियान्वयन की अवधि में और विलंब किया जाए। अभी यह तिथि क्रमशः 14 मई, 201 और एक जुलाई, 2021 है। बयान में कहा गया है कि प्रभावी तिथि तथा क्रियान्वयन अवधि में और देरी से पहले विभाग आम लोगों से इसपर राय लेगा।

नवाज शरीफ बोले, अगर मेरी बेटी को कुछ भी होता है तो इमरान और बाजवा होंगे जिम्मेदार

लाहौर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने देश की ताकतवर सेना पर उनकी बेटी मरियम नवाज को धमकाने का आरोप लगाया है। साथ ही चेतावनी दी कि अगर मरियम को कुछ भी होता है तो प्रधानमंत्री इमरान खान और सेना के तीन शीर्ष जनरल इसके लिए जिम्मेदार होंगे। लंदन से जारी वीडियो संदेश में पीएमएल (एन) अध्यक्ष ने कहा कि सेना ने मरियम को धमकी दी है कि अगर उसने फौज के खिलाफ कार्य करना बंद नहीं किया तो वह उसे बर्बाद कर देगी। शरीफ ने बृहस्पतिवार को ट्विटर पर साझा किए गए वीडियो में कहा, सबसे पहले आपने कराची स्थित होटल के उस कमरे का दरवाजा तोड़ा, जिसमें मरियम ठहरी हुई थी। अब आप उन्हे धमकी दे रहे हैं कि अगर वह नहीं रूकीं तो उन्हें तबाह कर देंगे। अगर मरियम को कुछ भी होता है तो प्रधानमंत्री इमरान खान, सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा, आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद और जनरल इरफान मलिक जिम्मेदार होंगे। नवाज शरीफ नवंबर 2019 से ही लंदन में रह रहे हैं। लाहौर उच्च न्यायालय द्वारा शरीफ को चिकित्सा आधार पर चार सप्ताह के लिए जमानत प्रदान करने के बाद इमरान खान सरकार ने उन्हें देश से बाहर जाने की अनुमति दी थी। शरीफ अल-अजीजिया मिल भ्रष्टचार मामले में लाहौर की कोट लखपत जेल में सात साल की सजा काट रहे थे। राजनेताओं से सेना को राजनीति में नहीं घसीटने की अपील करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, आपने (सेना) 2018 के चुनाव में धांधली कर इमरान खान को देश पर थोप दिया और सीनेट में हार के बाद, आपने खान को विश्वास मत जीतने में मदद की और अब यह कोई रहस्य नहीं रह गया है। इस बीच, पीएमएलएन की वरिष्ठ नेता मरियम नवाज ने ट्वीट कर कहा कि उन्हें ना केवल धमकाया गया बल्कि अपशब्दों का उपयोग किया गया।

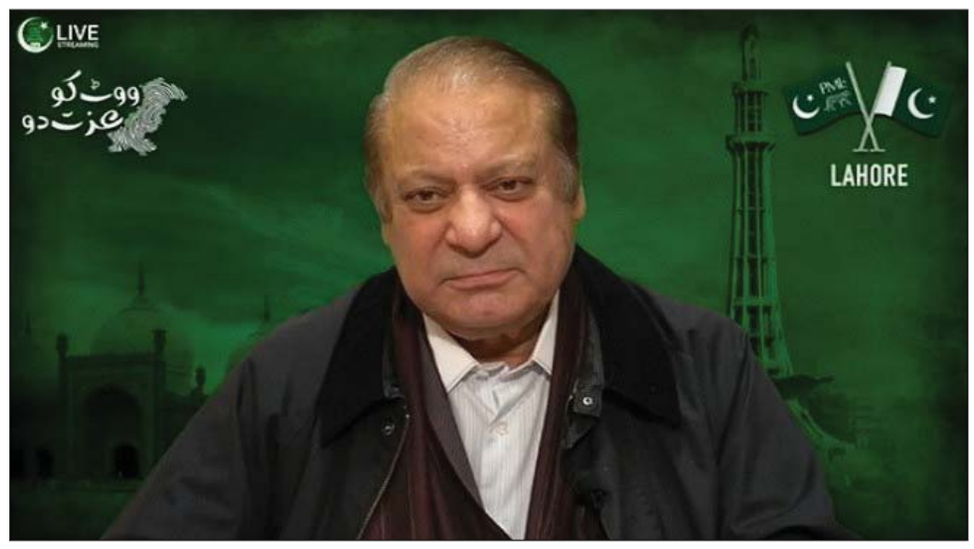

य में अलोकप्रिय हुई मेगन, 94 वर्षीय रानी की लोकप्रियता का ग्राफ चढ़ा, 63 फीसद ने राजशाही का समर्थन किया

लंदन। (एजेंसी)।

प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल की चर्चित और विस्फोटक साक्षात्कार का असर उनकी लोकप्रियता पर पड़ा है। शुक्रवार को एक सर्वेक्षण के मुताबिक ओपरा विन्फ्रे को दिए गए साक्षात्कार के बाद उनकी लोकप्रियता सबसे नीचे स्तर पर पहुंच गई है। दूसरी और 94 वर्षीय ब्रिटेन की रानी का ग्राफ तेजी से उठा है। इसके पूर्व मेगन की लोकप्रियता में इस तरह की गिरावट कभी नहीं हुई थी। गौरतलब है कि ओपरा विन्फ्रे को दिए एक साक्षात्कार में मेगन ने यह रहस्योद्घाटन किया था कि जब आर्ची उनके गर्भ में था, तब शाही परिवार के एक सदस्य ने उसके त्वचा रंग के बारे में चिंता जाहिर की थी।

साक्षात्कार के बाद मेगन की लोकप्रियता में बड़ी गिरावट

मेगन की लोकप्रियता में एक सप्ताह के अंदर बड़ी गिरावट देखने को मिली है। उनकी लोकप्रियता में एक सप्ताह में 15 अंकों की गिरावट आई है। 18 से 24 वर्ष की आयु के अधिकांश लोगों ने हैरी और मेगन को पंसद किया है, जबकि 65 से अधिक उम्र वाले उनके प्रति नकारात्मक भाव रखते हैं। इस सर्वेक्षण में पंसद और नापंसद की प्रवृति में पीढ़ियों का विभाजन साफ तौर पर दिखा। इस सर्वेक्षण में 10 में से तीन लोगों का मेगन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण था, जबकि 58 फीसद लोगों की उनके प्रति नकारात्मक राय थी। इनकी तुलना में 94 वर्षीय रानी को 80 फीसद लोगों ने पसंद किया। हैरी के बड़े भाई और उनकी पत्नी केट तीन चौथाई लोगों के बीच लोकप्रिय हैं। खास बात यह है कि ब्रिटेन में साक्षात्कार प्रसारित होने से पहले एक सर्वेक्षण में देश के 63 फीसद लोगों ने राजशाही का समर्थन किया, जबकि 25 फीसद लोग निर्वाचित संवैधानिक प्रमुख के पक्ष में अपनी राय रखी। चौंकाने वाली बात यह है कि कम आयु वर्ग के लोगों ने एक निर्वाचित प्रमुख के लिए अपना समर्थन दिया।

मेगन ने शाही परिवार पर लगाया नस्ली भेदभाव का आरोप

मेगन ने अपने साक्षात्कार में कहा था कि शाही परिवार उनके बेटे आर्ची को सिर्फ इसलिए प्रिंस नहीं बनाना चाहता था, क्योंकि उसके जन्म से पहले उन्हें डर था कि कहीं उसका रंग काला ना हो। हॉलीवुड स्टार ओप्रा विन्फ्रे के साथ बातचीत में मेगन ने कहा कि आर्ची के जन्म से पहले शाही परिवार ने प्रिंस हैरी से इस संबंध में बातचीत भी की थी। हालांकि उन्होंने उस शख्स का नाम नहीं बताया, जिसने इस बात का डर जताया था। प्रिंस हैरी और मेगन के साक्षात्कार पर बकिंघम पैलेस ने कहा कि शाही परिवार इस नई जानकारी से काफी दुखी है। बयान में कहा गया है, 'जो मुद्दे उठाए गए हैं, खासतौर पर नस्लवाद संबंधी, वे चिंतित करने वाले हैं। कुछ स्मरणों में अंतर हो सकता है, लेकिन उन्हें बहुत गंभीरता से लिया गया है और परिवार द्वारा उनका निजी तौर पर समाधान किया जाएगा।

मेगन को आने लगे थे खुदकुशी के विचार

39 वर्षीय मेगन ने कहा कि वर्ष 2018 में हैरी से शादी होने के बाद शाही परिवार के साथ वक्त बिताते हुए उन्हें खुदकुशी करने जैसे खयाल आने लगे थे। खास बात यह है कि पैलेस ने उन्हें इस संबंध में मनोवैज्ञानिक मदद लेने से रोका था। शाही परिवार के एक वरिष्ठ अधिकारी से जब उन्होंने कहा कि उन्हें मानसिक स्वास्थ्य के लिए मदद की जरूरत है तो उसने कहा कि यह परिवार के लिए अच्छा नहीं है। बता दें कि पिछले वर्ष जनवरी में हैरी और मेगन ने शाही परिवार से अलग होने की इच्छा जाहिर की थी। पिछले महीने बकिंघम पैलेस ने एक बयान में स्पष्ट किया था कि हैरी और मेगन का शाही परिवार से अलग होना एक स्थायी व्यवस्था होगी। फिलहाल दंपती अमेरिका में एक स्वतंत्र जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने में 'क्वाड' एक नया तंत्र बनकर उभरा: जो बाइडेन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शुक्रवार को कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग के लिए 'क्वाड' महत्वपूर्ण मंच बनने जा रहा है। 'क्वाड' दरअसल चार देशों- भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका का एक समूह है और 2007 में इसकी स्थापना के बाद से इन चार सदस्यों देशों के प्रतिनिधि समय-समय पर मिलते रहे है। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सदस्य देशों के अन्य नेता भाग ले रहे हैं। बाइडेन ने शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि सहयोग को बढ़ाने में 'क्वाड' एक नया तंत्र बनकर उभरा है। उन्होंने चीन के स्पष्ट संदर्भ में कहा, ''हम अपनी प्रतिबद्धताओं को जानते हैं ... हमारा क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय कानून द्वारा संचालित है, हम सभी सार्वभौमिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध है और किसी दबाव से मुक्त है लेकिन मैं हमारी संभावना के बारे में आशावादी हूं।''

बाइडेन ने कहा, ''क्वाड हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र होने जा रहा है और मैं आने वाले वर्षों में आप सभी के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।'' बाइडेन ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा, ''आपको देख कर बहुत अच्छा लगा।'' डिजिटल रूप से हो रहे इस सम्मेलन में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री मॉरिसन और जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा भी शामिल हो रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन चार देशों की योजना कार्यकारी समूहों की एक श्रृंखला स्थापित करने की है जो जलवायु परिवर्तन, महत्वपूर्ण और उभरती हुई प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केन्द्रित करेगी।

म्यांमार में बढ़ रही तानाशाही, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों ने चलाई गोली; 10 की मौत

मांडले (यांमा)। (एजेंसी)।

म्यांमार में तख्तापलट के खिलाफ प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों की गोलीबारी में बृहस्पतिवार को 10 लोगों की मौत हो गयी। वहीं, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने म्यांमार से बर्बर बल प्रयोग रोकने की अपील की है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र के एक विशेषज्ञ ने कहा कि मानवता के खिलाफ अपराध के और सबूत मिले हैं। सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया में आई खबरों में कहा गया कि बृहस्पतिवार को मायिंग में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में छह प्रदर्शनकारी मारे गए। इसके अलावा यांगून, मांडले, बागो और तुआंगू में एक-एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गयी। मारे गए प्रदर्शनकारियों की तस्वीरें भी पोस्ट की गयी है। सुरक्षा बलों ने पूर्व में भी प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की थी जिसमें कम से कम 60 लोगों की मौत हुई थी।

सेना ने सत्ता से बेदखल की गयीं नेता आंग सान सू ची के खिलाफ नए आरोप लगाते हुए कहा है कि 2017-18 के दौरान सहयोगी राजनीति दल से उन्हें छह लाख डॉलर और सोने की टिकिया मिली। तख्तापलट के बाद सू ची और म्यांमा के राष्ट्रपति विन मिंट को हिरासत में लिए जाने के दौरान कम गंभीर आरोप लगाए गए थे। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल जा मिन तुन ने राजधानी में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यांगून डिवीजन के पूर्व मुख्यमंत्री फ्यो मिन ने सू ची को धन और सोना देने की बात कबूल की है। हालांकि, प्रवक्ता ने इस संबंध में कोई साक्ष्य पेश नहीं किया। सेना द्वारा एक फरवरी को सू ची की सरकार का तख्तापलट करने के बाद से देश में लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

प्रदर्शनकारी हिरासत में लिए गए नेताओं को रिहा करने की मांग कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने बुधवार को तख्तापलट के फैसले को बदलने की मांग की और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा की निंदा की। संयुक्त राष्ट्र के एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक थॉमस एंड्रयूज ने कहा कि प्रदर्शनकारियों और अन्य लोगों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ी है। उन्होंने कहा कि सेना हर दिन सैकड़ों लोगों को हिरासत में ले रही है। काचिन अल्पसंख्यक समुदाय के गुरिल्ला छापामारों द्वारा बृहस्पतिवार को सरकारी ठिकाने पर हमले की भी खबर मिली है।

पहली बार जो बाइडेन से मिलेंगे जापान के पीएम योशिहिदे सुगा, अप्रैल में करेंगे अमेरिका का दौरा

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को घोषणा की कि जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा अप्रैल में अमेरिका आएंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से प्रत्यक्ष मुलाकात करने वाले सुगा पहले अंतरराष्ट्रीय नेता होंगे। बाइडन ने इस साल 20 जनवरी अमेरिका के राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभाला था। नाम उजागर ना करने की शर्त पर प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, '' हम यह घोषणा करते हुए काफी खुशी हो रही है कि बाइडन प्रशासन के अधीन अमेरिका आने वाले पहले विदेशी नेता जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा होंगे..'' अधिकारी ने कहा, '' तारीख अभी तय नहीं की गई है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए निकटता से काम कर रहे हैं कि ये दोनों की सहूलियत के अनुरूप हो।'' इस बीच, 'एपी' की खबर के अनुसार, तोक्यो के प्रमुख कैबिनेट सचिव कातसुनोबू कातो ने बताया कि वह अप्रैल की शुरुआत में अमेरिका जा सकते हैं। कातो ने कहा कि दोनों नेता वैश्विक महामारी से निपटने के तरीकों, जलवायु परिवर्तन और उत्तर कोरिया सहित विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर बात कर सकते हैं। कातो ने कहा, '' हम जापान-अमेरिका गठबंधन और स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत के लिए हमारे करीबी सहयोग बढ़ाने सहित द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की उम्मीद करते हैं।

अमेरिका पर चीन का पलटवार! कहा- हांगकांग हमारा आंतरिक मुद्दा, किसी भी दूसरे देश को हस्तक्षेप करने का नहीं अधिकार

बीजिंग। चीन के एक अधिकारी ने हांगकांग की चुनाव प्रणाली में प्रस्तावित बदलाव को लेकर अमेरिका द्वारा आलोचना किये जाने पर शुक्रवार को पलटवार करते हुए कहा है कि अर्ध-स्वायत्त हांगकांग, चीन का आंतरिक मुद्दा है, जिसमें किसी भी दूसरे देश को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। चीन की संसद में बृहस्पतिवार को हांगकांग की चुनाव प्रणाली में बदलाव के लिए मतदान किया गया था। यह मतदान चुनावी प्रणाली को बदलने के लिए लाए गए एक नए कानून को लेकर हुआ। इसके बाद अमेरिका की प्रतिक्रिया सामने आई थी। हांगकांग और राज्य परिषद के मकाऊ मामलों के कार्यालय के उपनिदेशक झांग शिआउमिंग ने कहा, ''मुझे नहीं पता कि अमेरिकी कैपिटोल परिसर में छह जनवरी को हुई घटना के बाद से अमेरिका किस नैतिक आधार से हांगकांग के चुनाव संस्थानों पर अंगुली उठा रहा है।'' अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की ओर से जारी एक बयान में चीन की निंदा करते हुए कहा गया था, ''हांगकांग के लोकतंत्र का लगातार गला घोंटा जा रहा है।'' झांग ने यह भी कहा कि चुनावी बदलाव का उद्देश्य हांगकांग के लोकतंत्र समर्थकों को शासन संरचना से बाहर करना नहीं है क्योंकि चीन विरोधी ताकतों की तुलना विपक्ष के साथ नहीं की जा सकती है।

भारतीय लड़ाकू हेलीकॉप्टर अपाचे व रुद्र की तोड़ खोज रहा है पाक, तुर्की रक्षा सौदे में अमेरिकी अड़ंगे के बाद चीन की शरण में इमरान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

अमेरिका की सख्त आपत्ति के चलते पाकिस्तान, तुर्की में निर्मित टी-129 हेलीकॉप्टर पाने से वंचित रह गया। पाकिस्तान और तुर्की के मध्य हुए इस रक्षा सौदे के रद होने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को मजबूर होकर चीन की शरण में जाना पड़ा। आखिर तुर्की और पाकिस्तान के इस रक्षा सौदे में अमेरिका की क्या दिलचस्पी है। अमेरिका ने इस सौदे पर क्यों की आपत्ति। पाकिस्तान के सैन्य बेड़े में शामिल होने वाले इस चीनी हेलीकॉप्टर की क्या है खासियत। क्या चीनी हेलीकॉप्टर भारतीय रक्षा प्रणाली को प्रभावित करेगा। क्या पाकिस्तान, भारतीय लड़ाकू हेलीकॉप्टर अपाचे और रुद्र की तोड़ खोजन में जुटा है।

चीन का जेड 10 एमआइ से उम्दा है भारत का रुद्र और अपाचे

तुर्की का टी-129 लड़ाकू हेलीकॉप्टर अपनी उम्दा खूबियों के कारण पाकिस्तानी सेना को खूब रास आ रहे थे। यह हेलीकॉप्टर दिन और रात दोनों पारियों में बेहतरीन जासूसी कर सकता है। इसमें प्रयोग की गई तकनीक सर्वे के लिहाज से भी काफी उपयोगी है। उधर, पाकिस्तान को मिलने जा रहे चीनी लड़ाकू हेलीकॉप्टर जेड-10 एमई बुनियादी तौर पर टैंक को तबाह करने और हवा में युद्ध के लिए इस्तेमाल होता है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि पाकिस्तानी सेना चीन के जेड-10 एमई हेलीकॉप्टर को सीमित संख्या में खरीदेगी।

प्रो. पंत का कहना है कि पाकिस्तान अपने शस्त्रों की खरीद के समय भारत के मद्देनजर ही अपनी रणनीति तय करता है। उन्होंने कहा कि भारत वायु सेना के पास मौजूद लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की बेहतरीन सीरीज है। भारतीय वायुसेना के पास सबसे दमदार स्वदेशी लड़ाकू हेलीकॉप्टर रुद्र है। यह चीन के जेड-19 को मात देने में सक्षम है। भारतीय वायु सेना ने इस हेलीकॉप्टर को लद्दाख में तैनात किया है। इसके अलावा भारत के पास एच-64 ई अपाचे हेलीकॉप्टर हैं। अपाचे दुनिया के सबसे हाईटेक मल्टीपर्पस फाइटर हेलीकॉप्टरों में से एक है। इसे अमेरिकी सेना की तरफ से उड़ाया जाता है। चिनूक एक मल्टीपर्पस वर्टिकल लिफ्ट हेलीकॉप्टर है। इसका उपयोग मुख्य रूप से सैनिकों, तोपखाने, उपकरण और ईंधन के परिवहन के लिए किया जाता है।

टी-129 लड़ाकू हेलीकॉप्टर तुर्की और अमेरिका का संयुक्त उपक्रम

दरअसल, तुर्की की हेलीकॉप्टर एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज और अमेरिका की एक मशहूर ऑगस्ता वेस्टलैंड कंपनी ने संयुक्त रूप से टी-129 लड़ाकू हेलीकॉप्टर का निर्माण किया है। अमेरिकी कंपनी वेस्टलैंड ने हेलीकॉप्टर का इंजन और इसके पंखे को डिजाइन किया है। तुर्की की कंपनी के पास इस डिजाइन के सर्वाधिकार सुरक्षित जरूर है, लेकिन अमेरिका इस हेलीकॉप्टर को किसी तीसरे देश को बेचने पर रोक लगा सकता है। यही प्रमुख कारण है कि अमेरिका ने इस हेलीकॉप्टर की बेचने की इजाजत नहीं दी है। प्रो. हर्ष पंत का कहना है कि अमेरिका द्वारा इस करार को रद किए जाने के पीछे एक बड़ी वजह पाकिस्तान और चीन के बीच निकटता है। चीन की इस निकटता के कारण पाकिस्तान को तुर्की के लड़ाकू हेलीकॉप्टर से वंचित होना पड़ा।

दोनों देशों के बीच वर्ष 2017 में हुआ था करार

पाकिस्तान ने वर्ष 2017 में औपचारिक परीक्षण के बाद तुर्की में निर्मित टी-129 लड़ाकू हेलीकॉप्टर खरीदने का फैसला किया था। खास बात यह है कि इस सौदे के पूर्व चीन और तुर्की के लड़ाकू हेलीकॉप्टरों ने परीक्षण में हिस्सा लिया था। इसके बाद ही दोनों देशों के बीच हेलीकॉप्टर सौदे का यह करार हुआ था। पाकिस्तानी सेना ने उस वक्त कहा था कि टी-129 लड़ाकू हेलीकॉप्टर के आने से सेना की ताकत बढ़ेगी। सेना ने कहा था कि सैन्य एविएशन इतिहास में यह मील का पत्थर साबित होगा। पाकिस्तानी सेना ने 30 हेलीकॉप्टरों का ऑर्डर दिया था।

1980 में अमेरिका ने पाक को दिए थे 20 कोबरा हेलीकॉप्टर

बता दें कि शीत युद्ध के दौरान 1980 के दशक में अमेरिका ने पाकिस्तान को 20 कोबरा लड़ाकू हेलीकॉप्टर दिए थे। अफगानिस्तान में अमेरिका की दिलचस्पी के चलते उसने पाकिस्तान को हेलीकॉप्टरों की यह खेप दी थी, क्योंकि उस वक्त अफगानिस्तान में उसे पाक की जरूरत थी, लेकिन अफगानिस्तान से रूसी सैनिकों की वापसी के बाद अमेरिका ने पाकिस्तान को कोबरा हेलीकॉप्टरों की मरम्मत के लिए पुर्जे देने से मना कर दिया। ऐसे में पाकिस्तान के समक्ष कोबरा हेलीकॉप्टरों को ऑपरेशन में रखना मुश्किल हो गया। पाकिस्तान ने संकेत दिया है कि तुर्की हेलीकॉप्टर नहीं मिलने की स्थिति में उसके पास चीनी हेलीकॉप्टर जेड-10 का विकल्प खुला हुआ है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पश्चिम रेलवे ने ट्रेन सेवाएं बहाल की, किसानों के प्रदर्शन के चलते थी प्रभावित

मुंबई। पश्चिम रेलवे ने पंजाब में किसानों के आंदोलन के कारण प्रभावित हुई विशेष ट्रेनों की निर्धारित सेवाएं शुक्रवार को फिर से शुरू कीं। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। पश्चिम रेलवे ने एक विज्ञप्ति में अधिसूचित किया कि सभी ट्रेनें अब अपने निर्धारित मार्गों और समय पर चलेंगी, क्योंकि पंजाब के जंडियाला में प्रभावित रेल लाइन बृहस्पतिवार को ट्रेनों की आवाजाही के लिए फिट घोषित की गई है। पंजाब में किसान आंदोलन के कारण जंडियाला स्टेशन पर ट्रेनों की आवाजाही पिछले कई दिनों से प्रभावित थी और पश्चिम रेलवे की कुछ विशेष ट्रेनों को या तो रद्द कर दिया गया था, उनके मार्ग बदल दिये गए थे या उनके मार्ग कम कर दिये गए थे। जोनल रेलवे ने यात्रियों से ट्रेन सेवाएं बहाल किये जाने का संज्ञान लेने और उनके अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाने की भी अपील की।

सीबीआई ने पोंजी घोटाला मामले में बंगाल के शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को किया तलब

कोलकाता। सीबीआई ने आईकोर ग्रुप ऑफ कंपनीज से जुड़े पोंजी घोटाला मामले की जांच के संबंध में पश्चिम बंगाल के शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को तलब किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के करीबी माने जाने वाले चटर्जी को 15 मार्च को कोलकाता कार्यालय में सीबीआई टीम के समक्ष पेश होने को कहा गया है। अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई ने निवेश पर उच्च लाभ देने की पेशकश कर लोगों से कथित तौर पर 3,000 करोड़ रुपये जुटाने के मामले में आईकोर समूह के खिलाफ मामला दर्ज किया था। समूह पर एकत्र किए गए धन के हिस्सों को अन्य स्थानों पर लगाने और लाभ के साथ रकम वापस करने के वादे से मुकरने का आरोप है। इस बीच, चटर्जी ने कहा उन्हें अब तक सीबीआई से इस तरह को कोई नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है।

कमल हासन कोयम्बटूर दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से लड़ेंगे चुनाव, एमएनएम ने 43 उम्मीदवारों के नामों का किया ऐलान

चेन्नई। अभिनेता से नेता बने कमल हासन छह अप्रैल को होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में कोयम्बटूर दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) के अध्यक्ष ने शुक्रवार को अपनी पार्टी के 43 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी करते हुए यहां यह घोषणा की। इसमें वरिष्ठ नेता पाझा करुप्पैया और अभिनेत्री श्रीप्रिया के नाम भी शामिल हैं। पार्टी ने पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के लिए 18 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की भी घोषणा की। पुडुचेरी की 30 सदस्यीय विधानसभा के लिए छह अप्रैल को मतदान होगा। एमएनएम की स्थापना के तीन वर्षों के बाद 66 वर्षीय हासन चुनावी मैदान में उतर रहे हैं।

संयुक्त किसान मोर्चा ने किसानों से भाजपा को वोट नहीं देने का किया अनुरोध, कही यह बात

कोलकाता। विभिन्न किसान संघों के संगठन संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के किसानों और अन्य लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट नहीं देने का अनुरोध किया। मोर्चा ने कहा कि चुनावी हार केंद्र की भाजपा नीत सरकार को तीनों नए कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए मजबूर करेगी। एसकेएम नेता योगेंद्र यादव ने संवाददाताओं से कहा कि हम किसी भी पार्टी का समर्थन नहीं कर रहे हैं या लोगों से यह नहीं कर रहे हैं वे किसे वोट दें लेकिन हमारी एकमात्र अपील है कि भाजपा को सबक सिखाया जाए। एसकेएम ने एक पत्र भी जारी किया जिसमें राज्य के किसानों से भाजपा को वोट नहीं देने का आग्रह किया गया है। मोर्चा ने पत्र में कहा कि चुनाव में हार से केंद्र सरकार कृषि कानूनों को रद्द करने के लिए मजबूर होगी।

उच्च न्यायालय ने 13-14 मार्च को निर्धारित न्यायिक परीक्षा स्थगित करने से किया इनकार

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 13-14 मार्च को निर्धारित दिल्ली उच्चतर न्यायिक सेवा परीक्षा-2019 को स्थगित करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल तथा न्यायमूर्ति ए जे बंबानी की पीठ ने कहा कि अंतिम समय में परीक्षा स्थगित नहीं की जा सकती क्योंकि इससे उन परीक्षार्थियों का नुकसान होगा जो परीक्षा देने के लिये पहुंच चुके हैं। पीठ ने कहा, परीक्षा स्थगित नहीं की जाएगी। इससे अन्य परीक्षार्थियों को नुकसान होगा। अदालत परीक्षा देने के इच्छुक एक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे में यदि वह कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आता है तो उसकी जान जाने का खतरा पैदा हो सकता है। याचिका में परीक्षा को तब तक टालने की अपील की गई थी जब तक वकीलों कोकोविड-19 टीके लगाने का अभियान पूरा नहीं हो जाता।

मुख्य न्यायाधीश ने बताया रोल मॉडल तो भावुक हो उठीं न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा, सुप्रीम कोर्ट में दिलचस्प वाकया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार का दिन बेहद महत्वपूर्ण रहा। अपने कार्यकाल के अंतिम दिन महिला न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा शुक्रवार को आखिरी बार बेंच पर बैठीं। वह देश की पहली महिला अधिवक्ता हैं जिनका सीधे सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति नियुक्त किया गया है। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे ने न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा की जमकर तारीफ की। सीजेआई ने कहा कि मुझे नहीं पता कि जस्टिस मल्होत्रा से बेहतर न्यायाधीश भी कोई है। इस पर न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा भावुक हो गईं।

जस्टिस इंदु मल्होत्रा ने कहा कि देश की सर्वोच्च अदालत में न्यायमूर्ति के तौर पर मेरा कार्यकाल तीन साल से भी कम रहा है लेकिन मैं संतुष्ट भाव से सेवानिवृत हो रही हूं। न्यायमूर्ति मल्होत्रा ने मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे समेत बार के अन्य सदस्यों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मैं देश की सर्वोच्च संस्था का हिस्सा बनकर बहुत धन्य हूं। वह आगे नहीं बोल सकीं तो मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि मैं उस भावना को समझ सकता हूं जो आखिरी दिन

होती है। हम किसी दूसरे दिन आपका भाषण सुनेंगे।

मुख्य न्यायाधीश ने जस्टिस मल्होत्रा के कार्यकाल के अंतिम दिन यह टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट की परंपरा के मुताबिक सेवानिवृत्त होने वाले न्यायाधीश को अपने कार्यकाल के अंतिम दिन मुख्य न्यायाधीश के साथ बैठना होता है। मुख्य न्यायाधीश बोबडे ने यह भी कहा कि उन्होंने जस्टिस मल्होत्रा से बेहतर जज नहीं देखा है। न्यायमूर्ति बोबडे ने कहा- मैं जस्टिस मल्होत्रा के न्यायिक कौशल के बारे में कुछ भी कहना नहीं चाहता हूं। जस्टिस मल्होत्रा के फैसले ज्ञान, विवेक और दृढ़ता से भरे हुए रहे हैं।

जस्टिस बोबडे ने यह भी कहा कि न्यायमूर्ति मल्होत्रा युवा अधिवक्ताओं के लिए एक रोल मॉडल हैं। वहीं अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने कहा कि जस्टिस मल्होत्रा सर्वश्रेष्ठ न्यायाधीशों में से एक हैं। यह दुखद है कि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को 65 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त होना पड़ता है। न्यायमूर्ति मल्होत्रा को भी सेवानिवृत्त होना पड़ेगा। वेणुगोपाल ने न्यायमूर्ति मल्होत्रा की तारीफ करते हुए कहा कि हमें इस महान न्यायाधीश की कमी खलेगी। जस्टिस मल्होत्रा ने सबरीमला मामले में संवैधानिक नैतिकता पर बेहद महत्वपूर्ण फैसला दिया था।

वरिष्ठ अधिवक्ताओं मुकुल रोहतगी, पीएस नरसिम्हा, वी मोहना और अन्य वकीलों ने जस्टिस मल्होत्रा की तारीफ की। वहीं सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने कहा कि शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की उम्र 70 वर्ष की जानी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश को एक महिला न्यायाधीश के साथ न्यायमूर्ति मल्होत्रा की सेवानिवृत्ति के बाद बनने वाली रिक्ति को भरने के लिए कदम उठाना चाहिए। न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा ने अपने योगदान को स्वीकार करने के लिए शीर्ष अदालत के न्यायमूर्तियों का आभार जताया।

विपक्षी दलों पर बरसे केजरीवाल, बोले- तिरंगा भारत में नहीं तो क्या पाकिस्तान में फहराया जाएगा

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शहर में तिरंगा फहराने संबंधी दिल्ली सरकार के फैसले का विरोध करने के लिए विपक्षी दलों पर शुक्रवार को निशाना साधते हुए पूछा, ''तिरंगा भारत में नहीं तो क्या पाकिस्तान में फहराया जाएगा।'' केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा में कहा कि देशभक्ति पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए और देश सभी का है। केजरीवाल ने कहा, ''बजट में, हमने घोषणा की कि हम शहरभर में 500 स्थानों पर तिरंगा फहराएंगे। जब भी हम राष्ट्रीय ध्वज देखते हैं, हमें सीमाओं पर लड़ने वाले सैनिक की याद आती है। मैं यह नहीं समझ पा रहा हूं कि भाजपा और कांग्रेस फैसले का विरोध क्यों कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''उन्हें इस निर्णय का समर्थन और सराहना करनी चाहिए। देशभक्ति पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। देश सभी का है ... मैं पूछना चाहता हूं कि क्या भारत में नहीं तो पाकिस्तान में भी तिरंगा फहराया जाएगा?'' केजरीवाल ने कहा कि विपक्षी दल 2048 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए आवेदन करने और 2047 तक सिंगापुर के स्तर पर प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने की घोषणा के लिए दिल्ली सरकार का मजाक उड़ा रहे है। उन्होंने कहा, ''हम इसे हासिल करेंगे ... हम ओलंपिक की मेजबानी के लिएकेंद्र और भारत ओलंपिक संघ से संपर्क करेंगे।'' मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले डेढ़ महीने में लगभग सभी राज्यों और केन्द्र ने ''घाटे'' का बजट पेश किया लेकिन दिल्ली सरकार ने इन मुश्किल समय में भी ''अधिशेष'' बजट पेश किया। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि राम मंदिर तैयार होने पर बुजुर्गों को अयोध्या भेजने की उनकी सरकार की घोषणा का कांग्रेस और भाजपा विरोध कर रहे हैं।

चीन के गले की फांस बने हैं उइगर मुस्लिम, जानें- अमेरिकी सैन्य अधिकारी ने क्यों किया आगाह

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

चीन काफी समय से शिनजियांग प्रांत में रहने वाले उइगर मुस्लिमों पर किए जा रहे अत?याचारों को लेकर पूरी दुनिया के निशाने पर है। दुनिया के कई बड़े देश इस मुद्दे पर उसको कई बार लताड़ लगा चुके हैं और अपने रवैये में सुधार को लेकर आगाह कर चुके हैं। इसके बाद भी चीन ने अपने में बदलाव नहीं किया है। यही वजह है कि अमेरिका एक बार फिर से इस मुद्दे पर अपना कड़ा रुख लेकर सामने आया है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने चीन को खरी-खरी सुनाते हुए कहा है कि वो उइगर मुसलमानों का नरसंहार बंद करे। अमेरिक ने ये भी कहा है कि वो इस मुद्दे के हल होने तक अपनी आवाज हर मंच से उठाता रहेगा।

चीन को लेकर आक्रामक रुख इख्तियार करने वालों में पेंटागन भी है। पेंटागन ने कहा है कि वो इस मुद्दे के हल होने तक अपनी आवाज हर मंच से उठाता रहेगा। चीन को लेकर आक्रामक रुख अख्तियार करने वालों में पेंटागन भी है। पेंटागन की तरफ से चीन को 21वीं सदी का सबसे बड़ा खतरा बताया है। पेंटागन का कहना है कि चीन विश्व के लिए सामरिक खतरा पैदा कर सकता है। पेंटागन की तरफ से ये बयान अमेरिका हिंद प्रशांत क्षेत्र कमांड के प्रमुख एडमिरल फिल डेविडसन ने दिया है। उन्होंने ये भी कहा है कि चीन ने हाल ही में अपना रक्षा बजट बढ़ाया है जिसके जरिए वो दक्षिण चीन सागर में पांव फैलाना और अपनी ताकत को बढ़ाना चाहता है। इस बढ़ते खतरे से निपटने के लिए अमेरिका को भी तैयारी करनी होगी और हथियारों के लिए अपने रक्षा बजट को बढ़ाना होगा।

चीन को इस मुद्दे पर लताड़ लगाने वालों में सिर्फ ब्लिंकन ही शामिल नहीं है, बल्कि प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी भी इसमें शामिल हैं। उन्होंने कहा है कि चीन लगातार तिब्बत के गौरवाशाली इतिहास और वहां की संस्कृति को नष्ट करने का काम कर रहा है। अमेरिका ने इन दोनों मुद्दों पर अपना रुख बेहद साफ किया है। अमेरिका का कहना है कि चीन लगातार अपने नेताओं, सरकार और सेना की मदद से न सिर्फ लोगों को अपने हक में करने का प्रयास कर रहा है, बल्कि इसके लिए उन्हें डराया और धमकाया भी जा रहा है। वो लगातार अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल कर रहा है। आपको बता दें कि पिछले वर्ष इनर मंगोलिया में चीन ने मैंड्रिन भाषा को अनिवार्य रूप से सीखने पर जौर दिया था। इसके बाद वहां पर चीन के खिलाफ कई विरोध प्रदर्शन किए गए थे।

इसी तरह से तिब्बत में चीन द्वारा की जा रही कारगुजारियां किसी से छिपी नहीं है। यही हाल हांगकांग में है और ताइवान के साथ भी चीन का ऐसा ही रवैया पूरी दुनिया को दिखाई दे रहा है।

अमेरिका ने यहां तक कहा है कि उइगर, तिब्बत और हांगकांग के मुद्दे पर सिर्फ उसके आवाज उठाने से कुछ नहीं होगा। इसके लिए सभी देशों को एकजुट होकर चीन के खिलाफ आवाज उठानी होगी और उसपर दबाव बनाना होगा। अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद ही चीन के रवैये में परिवर्तन की उम्मीद की जा सकती है। ब्लिंकन का कहना है कि चीन को दबाव में लाने के लिए कई तरह के उपाय किए जा सकते हैं। चीन को उइगरों के नरसंहार और मानवाधिकार उल्लंघन का जिम्मेदार ठहराते हुए उस पर कई तरह की पाबंदियां लगाई जा सकती हैं। यदि चीन अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करता है तो उसको संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में जांच को अनुमति देनी चाहिए। यदि वहां पर कुछ गलत नहीं है तो चीन को ऐसा करने से कोई गुरेज नहीं होना चाहिए।

राहुल के भारत अब लोकतांत्रिक देश नहीं रहा वाले बयान पर बीजेपी का पलटवार, कहा- सोच समझकर नहीं करते बात

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

अक्सर अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में रहने वाले राहुल गांधी के एक ट्वीट से फिर विवाद खड़ा हो गया है। राहुल के भारत लोकतांत्रिक नहीं रहा वाले बयान के बाद बीजेपी की ओर से पलटवार किया गया है। बीजेपी नेता और उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कहा कि भारत की लोकतंत्र की चर्चा पूरी दुनिया में है और लोकतंत्र का ये प्रमाण है कि विदेशी रिपोर्ट को लेकर विपक्ष के नेता राहुल इस तरह की बात करते हैं। अगर लोकतंत्र नहीं होती तो क्या वो इस तरह की बात कर सकते थे? राहुल गांधी के 'भारत अब लोकतांत्रिक देश नहीं' वाले बयान पर शाहनवाज हुसैनने कहा कि उनको ऐसी कोई बात नहीं करनी चाहिए जिससे देश को बदनामी मिले। राहुल गांधी का ये बयान लोकतंत्र पर चोट है। कौन कहता है कि भारत में लोकतंत्र नहीं है? आज भारत एक लोकतांत्रिक देश है और पूरी दुनिया में इसकी मिसाल दी जाती है।

राहुल के बयान पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी अपना बयान दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की बातों को ज्यादा तवज्जो देंगे तो वह देश के लिए ठीक नहीं है। वह सोच समझकर बात नहीं करते हैं। उनकी बातों को ज्यादा तूल देना देश के लिए सही नहीं है।

राहुल ने क्या कहा था?

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने स्वीडन की एक संस्था की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि भारत अब लोकतांत्रिक देश नहीं रहा। उन्होंने ट्विटर पर एक खबर टैग करते हुए ट्वीट किया, ''भारत अब लोकतांत्रिक देश नहीं रहा।'' कांग्रेस नेता ने जिस खबर का उल्लेख किया उसमें कहा गया है कि स्वीडन के 'वी-डेम इंस्टीट्यूट' की लोकतंत्र से संबंधित रिपोर्ट में भारत के 'दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र' से 'चुनावी निरंकुशता' में तब्दील हो जाने का दावा किया गया है। इस रिपोर्ट से कुछ दिनों पहले ही अमेरिकी संस्था 'फ्रीडम हाउस' की रिपोर्ट में भारत को 'आंशिक रूप से स्वतंत्र' देश बताया गया था। सरकार ने इस रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा था कि यह 'गुमराह करने वाली', 'असत्य' और 'आधारहीन' है तथा भारत में अच्छे ढंग से स्थापित लोकतांत्रिक परंपराएं हैं।

आईआईएमसी के शुक्रवार संवाद में बोले डॉ. कुरैशी, निष्पक्ष चुनाव के लिए ईवीएम से बेहतर कोई सिस्टम नहीं है

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

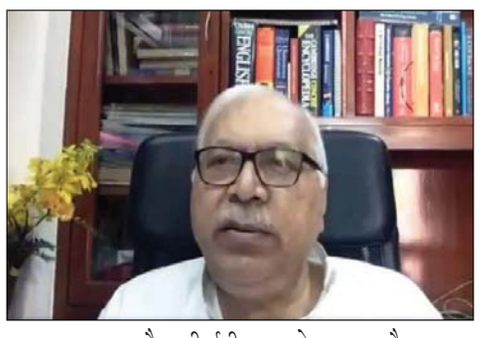

पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव के लिए ईवीएम से बेहतर दूसरा कोई सिस्टम नहीं है। यदि इसमें छेड़छाड़ की गुंजाइश होती, तो किसी सरकार की हार नहीं होती। यह विचार भारत के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. एस. वाई. कुरैशी ने शुक्रवार को भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'शुक्रवार संवाद' में व्यक्त किए।

'चुनाव सुधार एवं लोकतंत्र' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. कुरैशी ने कहा कि दुनिया के कई देशों के चुनावों में भारत की ईवीएम का उपयोग किया जाता है। कहीं से किसी भी तरह की शिकायत नहीं आई है। उन्होंने कहा कि चुनावों में ईवीएम के प्रयोग से पहले कई स्तर पर जांच होती है। मतदान से पहले पोलिंग एजेंटों के सामने इसे सील किया जाता है। मतगणना शुरू होने से पहले भी ईवीएम दिखाया जाता है। ऐसे में किसी भी स्तर पर गड़बड़ी का सवाल ही नहीं है। जो चुनाव हार जाता है, वही ईवीएम आरोप लगाता है। ईवीएम पर अंगुली उठाना चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करना है।

देश के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि भारतीय चुनाव आयोग विश्व का सबसे शक्तिशाली चुनाव आयोग है। भारतीय लोकतंत्र को विश्व की सबसे अच्छी शासन प्रणाली के रुप में जाना जाता है और विश्वसनीय चुनाव लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण लाइफलाइन है। उन्होंने कहा कि जब एक देश आगे बढ़ता है, तब कई पुरानी और नई चुनौतियां सामने आती हैं, जो चुनाव आयोग को तेज और निर्णायक फैसले लेने के लिए प्रेरित करती हैं। मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए धन और बाहुबल की शक्ति का दुरुपयोग चिंता का विषय है, लेकिन न्यायपालिका ने हमेशा लोकतंत्र के संरक्षण का काम किया है।

डॉ. कुरैशी के अनुसार चुनाव के दौरान धन का प्रचार सभी तरह के भ्रष्टाचार को जन्म देता है। चुनावी खर्च से जुड़े सुधार और राजनीति को अपराध मुक्त करने जैसे कई मुद्दे हैं, जिन पर भारत का निर्वाचन आयोग पिछले कई वर्षों से कार्य कर रहा है। डॉ. कुरैशी ने कहा कि चुनाव में प्रत्येक वोट महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में पुरुषों के अनुपात में महिलाओं की जनसंख्या कम है, लेकिन चुनाव में महिलाओं की भागीदारी आज पुरुषों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सुरभि दहिया ने किया। स्वागत भाषण डीन (अकादमिक) प्रो. गोविंद सिंह ने दिया एवं धन्यवाद ज्ञापन डीन (छात्र कल्याण) प्रो. प्रमोद कुमार ने किया।

व्हीलचेयर पर नजर आईं ममता बनर्जी, स्थिति में सुधार के बाद अस्पताल से मिली छुट्टी

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को शुक्रवार की शाम सरकारी एसएसकेएम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। चिकित्सकों ने उनकी हालत ''संतोषजनक'' पाई, जिसके बाद उन्हें छुट्टी दी गई। टीएमसी सुप्रीमो (66 वर्षीय) ने अस्पताल से छुट्टी देने की बार-बार अपील की, जिसके बाद चिकित्सकों ने यह निर्णय किया। अस्पताल के वुडबर्न ब्लॉक के बाहर मौजूद काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं का बनर्जी ने अभिवादन किया। वह व्हीलचेयर पर बैठी हुई थीं और उनके बायें पैर में प्लास्टर लगा हुआ था। वह अपने वाहन से कालीघाट स्थित आवास के लिए रवाना हुईं। उनके भतीजा और डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक बनर्जी, पार्टी के सहयोगी और राज्य के मंत्री फरहाद हाकिम भी अस्पताल में मौजूद थे। चिकित्सक ने कहा, ''उनकी हालत काफी सुधरी है और उन्होंने बार-बार अस्पताल से छुट्टी देने पर जोर दिया। वह थोड़ा-बहुत चल सकती हैं लेकिन एक हफ्ते के अंदर फिर से जांच के लिए उन्हें आने की जरूरत पड़ेगी।'' नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र में बुधवार की शाम को चुनाव प्रचार के दौरान बनर्जी को चार-पांच अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर धक्का दिया, जिससे वह गिर पड़ीं और जख्मी हो गईं।

लौटी लहर फिर कोरोना कहर, महाराष्ट्र, दिल्ली-पंजाब में चिंताजनक हालात, क्या फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रहा देश

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा समेत कई राज्यों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। जिससे राज्य सरकारों और केंद्र सरकार की चिंता भी बढ़ गई है। लोगों को लगातार कोरोना गाइडलाइंस का पालन करने की सलाह दी जा रही है। लेकिन लोग लगातार लापरवाही करते नजर आ रहे हैं। ऐसे समय में जब हमारा देश कोरोना से तेजी से उबर रहा था, नए केस आने कम हो गए थे। ऐसे वक्त में इस तरह के आंकड़े डराने वाले हैं।

महाराष्ट्र में लगातार कोरोना का कहर बढ़ता जा रहा है। जो महाराष्ट्र सरकार के लिए चिंता का विषय बन गया है। सरकार की ओर से लगातार लोगों को कोरोना गाइडलाइंस का पालन करने की हिदायत दी जा रही है। लेकिन लोग लगातार लापरवाही करते नजर आ रहे हैं। कोरोना संक्रमण की वजह से नागपुर, पुणे और अकोला में लॉकडाउन लगा दिया गया है। एक दिन में 14 हजार 317 कोरोना संक्रमित लोग मिले हैं वहीं एक ही दिन में 57 लोगों की मौत हो गई है। पिछले साल छह नवंबर को राज्य में संक्रमण के इलाजरत मरीजों की संख्या 1,02,099 थी। इसके बाद उपचाररत मरीजों की संख्या कम होने लगी थी। बहरहाल महाराष्ट्र में 14 फरवरी से दैनिक नए मामलों में बढ़ोतरी होने लगी। नागपुर शहर में सबसे ज्यादा 1701 नए मामले रिपोर्ट हुए हैं। इसके बाद पुणे में 1514 और मुंबई नगर में 1509 नए मरीजों की पुष्टि हुई है। मुंबई में कोविड-19 के कुल मामले 3,38,643 पहुंच गए हैं तथा चार और लोगों की मौत के बाद शहर में कुल 11,519 संक्रमितों की मृत्यु हो चुकी है। महाराष्ट्र में 4,80,083 लोग घर में पृथक-वास में हैं।

3 शहरों में लॉकडाउन

-नागपुर में 15 से 21 मार्च तक पूर्ण लॉकडाउन रहेगा

-अकोला में रात 8 बजे से सोमवार सुबह 8 बजे तक लॉकडाउन रहेगा।

- पुणे में नाइट कर्फ्यू लागू किया गया है और स्कूल-कॉलेज 31 तक बंद रहेंगे।

दिल्ली में बढ़े मामले

महाराष्ट्र के साथ-साथ दिल्ली में भी कोरोना के मामलों ने रफ्तार पकड़ ली है। दिल्ली में पिछले 24 घंटे में कोरोना कै चार सौ से ज्यादा नए केस सामने आए। बीते दो महीनों में कोरोना के सबसे ज्यादा नए केस मिले। दिल्ली में दो महीने बाद कोरोना के 409 मामले सामने आए, जबकि तीन लोगों की संक्रमण से मौत हो गई। इसके साथ ही संक्रमण दर बढ़कर 0.60 हो गया। दिल्ली में लगातार दूसरे दिन 400 से अधिक मामले दर्ज किए गए। बृहस्पतिवार को 409 मामले सामने आए थे। दिल्ली में बुधवार को 370 मामले और मंगलवार को 320 मामले आए थे।

पंजाब में ब्रिटेन जैसा स्ट्रेन

कोरोना वायपस की वापसी ने पंजाब को भी अपनी चपेट में ले लिया है। पंजाब में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1310 मामले सामने आए हैं और 18 लोगों की मौत हुई है। संक्रमण बढ़ता देख पटियाला, लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब और मोहाली में प्रशासन की ओर से आज से नाइट कर्फ्यू लगा दिया गया है। यह कर्फ्यू रात 11 बजे से सुबह पांच बजे तक रहेगा। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने कहा कि एक दिन में पंजाब में 30000 से ज्यादा लोगों की टेस्टिंग हो रही है। इसके साथ ही राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने पंजाब में ब्रिटेन जैसा स्ट्रेन होने की पुष्टि भी की है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)